संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 252 सोमवार 14 जुलाई 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

उज्जवल निकम जाएंगे राज्यसभा,राष्ट्रपति मुर्मू ने चार लोगों को किया मनोनीत

नई दिल्ली,13 जुलाई 2025(ए)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के अनुच्छेद 80(1)(क) के खंड (3) के तहत अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए राज्यसभा के लिए चार प्रतिष्ठित व्यक्तियों को मनोनीत किया है। इनमें वरिष्ठ वकील उज्ज्वल देवराव निकम, केरल के सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् सी. सदानंदन मास्टर,पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला,और प्रख्यात इतिहासकार मीनाक्षी जैन शामिल हैं। ये नामांकन उन सीटों को भरने के लिए किए गए हैं,जो पूर्व में मनोनीत सदस्यों की सेवानिवृत्ति के कारण रिक्त हो गई थीं।

नकली और घटिया उर्वरक बेचने वालों के खिलाफ करें सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली,13 जुलाई 2025(ए)।केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर किसानों को नकली और घटिया उर्वरक बेचने वालों के खिलाफ तत्काल और सख्त कार्रवाई करने को कहा है। सरकार द्वारा जारी बयान में कहा गया कि यह पत्र नकली उर्वरकों की बिक्री, सब्सिडी वाले उर्वरकों की कालाबाजारी और देश भर में जबरन टैगिंग जैसी अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जारी किया गया है। केंद्रीय मंत्री द्वारा लिख गए इस पत्र में इस बात पर जोर दिया है कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसानों की आय में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए, उन्हें सही समय पर, किफायती दामों पर और मानक गुणवत्ता वाले गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराना आवश्यक है।

डीजल मालगाड़ी में लगी भीषण आग

लपटों ने मचाया हड़कंप, चेन्नई सेंट्रल की ट्रेनें रुकीं

तिरुवल्लूर,13 जुलाई 2025(ए)। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर रेलवे स्टेशन के पास रविवार तड़के एक डीजल से लदी मालगाड़ी में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब कुछ डिब्बे पटरी से उतर गए और उनमें भीषण आग लग गई। आसमान में ऊंची-ऊंची लपटें और काला धुआं छा गया, जिससे आसपास के इलाकों में दहशत फैल गई।

जयशंकर की चीन यात्रा पर ड्रैगन ने दिखाए तीखे तेवर

दलाई लामा और तिब्बत का मसला द्विपक्षीय संबंधों में अड़चन...

नई दिल्ली,13 जुलाई 2025(ए)। विदेश मंत्री एस जयशंकर की चीन यात्रा पर चीन अपने तीखे तेवर दिखा रहा है। जयशंकर 2020 में एलएसी पर हुई हिंसक झड़पों के बाद पहली बार चीन जा रहे हैं। उनकी इस यात्रा से पहले चीन ने कहा है कि तिब्बत से जुड़े मुद्दे, खासकर दलाई लामा के उत्तराधिकारी के पुनर्जन्म वाला मामला भारत और चीन के संबंधों में कांटे की तरह हैं। चीन का मानना है कि ये मुद्दे भारत के लिए बोझ बन गए हैं। जयशंकर इस सप्ताह चीन की यात्रा पर जा रहे हैं। एलएसी पर सैन्य तनाव के कारण दोनों देशों के रिश्ते पिछले 6 दशकों में सबसे खराब स्तर पर पहुंच गए थे। दोनों देश अब रिश्तों को सामान्य करने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर में दोनों देशों ने एलएसी पर तनाव कम करने पर सहमति जताई थी।

दलाई लामा ने अपने 90 वें जन्मदिन से पहले कहा था कि उनके द्वारा स्थापित ट्रस्ट ही उनके पुनर्जन्म को मान्यता दे सकता है। इस पर चीन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। बीजिंग ने कहा कि अगले दलाई लामा को चीनी सरकार की ओर से अनुमोदित किया जाना चाहिए। बता दें कि केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने दलाई लामा के जन्मदिन समारोह में भाग लिया था। दलाई लामा 1959 में चीनी सैन्य कार्रवाई के बाद तिब्बत से भागकर भारत में शरण लिए हुए हैं। दलाई लामा की हालिया टिप्पणियों पर चीन की कड़ी प्रतिक्रिया के बाद, विदेश मंत्रालय ने 4 जुलाई को कहा कि सरकार आस्था और धर्म से जुड़ी मान्यताओं और प्रथाओं के मामलों पर कोई राय नहीं रखती है और न ही कुछ बोलती है। जयशंकर 14 और 15 जुलाई को शंघाई सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए चीन जाएंगे। इस दौरान वे अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मिलेंगे। दोनों विदेश मंत्रियों से उम्मीद है कि वे द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य करने और भारत और चीन के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को हल करने के लिए बातचीत को आगे बढ़ाएंगे।

क्या दोनों देश रिश्तों को सुधारने में कामयाब हो पाएंगे?

भारत और चीन के बीच रिश्ते बहुत जटिल हैं। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद है, व्यापारिक मुद्दे हैं और तिब्बत का मुद्दा भी है। इन सभी मुद्दों को हल करना आसान नहीं है। लेकिन दोनों देशों को मिलकर काम करना होगा ताकि रिश्ते सुधर सकें। यह देखना होगा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर की चीन यात्रा से क्या नतीजा निकलता है। क्या दोनों देश रिश्तों को सुधारने में कामयाब हो पाएंगे? यह एक बड़ा सवाल है।

बच्चियों के यौन शोषण के आरोपी को सजा-ए-मौत

भीड़ ने थाने से बाहर खींचा,फिर पीट-पीटकर मार दिया

गंगटोक,13 जुलाई 2025(ए)। अरुणाचल प्रदेश में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है,जहाँ छोटी बच्चियों के यौन उत्पीड़न के आरोपी को भीड़ ने थाने से खींचकर पीट-पीटकर मार डाला। यह घटना दिबांग घाटी के रोइंग कस्बे की है।

असम का रहने वाला एक शख्स रोइंग में माउंट कार्मेल स्कूल के पास एक मकान के निर्माण में मजदूरी कर रहा था। उस पर आरोप था कि वह कुछ दिनों से स्कूल के हॉस्टल में रहने वाली लड़कियों का यौन उत्पीड़न कर रहा था। इन बच्चियों में कुछ की उम्र तो महज़ छह से आठ साल ही थी, जबकि कुछ टीनएजर थीं।

कुछ अभिभावकों ने अपनी बेटियों की बिगड़ती सेहत देखकर उनसे पूछताछ की, तो उन्हें आरोपी के बारे में पता चला। इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 11 जुलाई को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और उसे रोइंग पुलिस स्टेशन में रखा।

भीड़ का गुस्सा और लिंचिंग

12 जुलाई तक यह खबर पूरे इलाके में फैल गई। इसके बाद, गुस्साई भीड़ ने थाने पर धावा बोल दिया। उन्होंने थाने को घेर लिया और आरोपी को ज़बरदस्ती बाहर खींच लिया। भीड़ ने उसे इतनी बुरी तरह पीटा कि मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

पुलिस की भूमिका

रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब आरोपी को पीटा जा रहा था,तब पुलिसकर्मी थाने में मौजूद थे लेकिन भीड़ की संख्या पुलिसकर्मियों से कहीं ज़्यादा थी, जिसकी वजह से वे कुछ नहीं कर पाए। सूत्रों के अनुसार, थाने पर हमले के बाद अतिरिक्त पुलिस बल और अर्धसैनिक बल को बुलाया गया, लेकिन जब तक वे पहुंचते,आरोपी की मौत हो चुकी थी।यह घटना एक गंभीर सवाल खड़ा करती है कि क्या कानून को अपने हाथ में लेना सही है,भले ही अपराध कितना भी जघन्य क्यों न हो। यह दिखाता है कि लोग अपने बच्चों के साथ हुए ऐसे अपराधों से कितने आहत और गुस्से में हैं।

पीआरएफ के शीर्ष पद पर पहली बार नियुक्त हुईं महिला अधिकारी

नई दिल्ली13 जुलाई 2025(ए)। रेलवे सुरक्षा बल के इतिहास में पहली बार किसी महिला अधिकारी को सबसे ऊंचे पद की कमान सौंपी गई है। वरिष्ठ आईपीएस अधिकांरी सोनाली मिश्रा को रेलवे सुरक्षा बल की पहली महिला महानिदेशक नियुक्त किया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

देश भर में बंगालियों के कथित अपमान पर सीएम ममता 16 जुलाई को सड़क पर उतरेंगी

कोलकाता,13 जुलाई 2025 (ए)। देश भर में भाजपा शासित राज्य में कथित तौर पर बंगालियों के उत्पीड़न के आरोप लगातार उठ रहे हैं। ऐसे में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कई बार उक्त मुद्दे पर मुखर हुई हैं। अब सीएम ममता खुद उक्त मुद्दे पर 16 जुलाई को विरोध में सड़कों पर उतरेंगी। यह जुलूस दोपहर 1 बजे कॉलेज स्क्वायर से शुरू होकर डोरीना क्रॉसिंग पर समाप्त होगा। मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने बताया कि हावड़ा, भांगड़, दमदम और साल्ट लेक से तृणमूल नेता, कार्यकर्ता और समर्थक इस जुलूस में शामिल होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि उसी दिन दोपहर 2 बजे से हर जिले में विरोध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

गोलियों की गूंज से दहला पटना

दिनदहाड़े वकील की हत्या

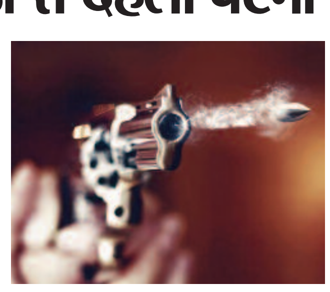

पटना,13 जुलाई 2025(ए)। सुशासन बाबू का बिहार अब अपराध का गढ़ बन गया है। लगातार हो रही हत्या को लेकर जहां सरकार की शासन प्रणाली पर सवाल उठ रहा है। हत्या जैसे जघन्य अपराध थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक हफ्ते में 3 हत्या के बाद भी प्रशासन सो रहा है। आज एक बार फिर राजधानी पटना में हत्या की घटना को अंजाम दिया गया। राजधानी फिर गोलियों की गूंज से दहल उठी। रविवार को दिनदहाड़े वकील जितेंद्र कुमार महतो की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह वारदात सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के मोहमदपुर इलाके में हुई, जहां वे चाय पीकर लौट रहे थे, तभी बाइक सवार हमलावरों ने उन्हें नजदीक से तीन गोलियां मारीं। घटनास्थल से तीन खोखे बरामद हुए हैं।

चिराग पासवान को बम से उड़ाने की धमकी

समस्तीपुर,13 जुलाई 2025(ए)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। समस्तीपुर साइबर थाना की टीम ने यह कार्रवाई बेगूसराय जिले के तेघड़ा से की, जहां से 21 वर्षीय सलीम नामक युवक को पकड़ा गया। उसके पास से वह मोबाइल भी बरामद हुआ है जिससे धमकी भेजी गई थी।

यात्रियों की सुरक्षा के लिए रेलवे का बड़ा फैसला

» ट्रेनों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे, 74000 कोच, 15000 लोकोमोटिव होंगे रिनोवेट

नई दिल्ली,13 जुलाई 2025(ए)। भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए ट्रेनों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का बड़ा निर्णय लिया है। इस योजना के तहत देशभर के करीब 74,000 यात्री डिब्बों और 15,000 लोकोमोटिव इंजनों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। प्रत्येक डिब्बे में चार कैमरे लगाए जाएंगे, जबकि प्रत्येक लोकोमोटिव में छह कैमरे लगाने की योजना है। डिब्बों में दो कैमरे प्रवेश बिंदुओं और साझा क्षेत्रों में लगाए जाएंगे। इन हाई-टेक कैमरों की खास बात यह है कि ये कम रोशनी में भी उच्च गुणवत्ता की रिकॉर्डिंग कर सकते हैं और तेज गति के दौरान भी साफ फुटेज प्रदान करते हैं। इससे निगरानी व्यवस्था और सुरक्षा में काफी सुधार होने की उम्मीद है।

अब ज्योति मौर्या का पति पहुंचा हाई कोर्ट,रख दी ये बड़ी डिमांड

बरेली,13 जुलाई 2025(ए)। दो साल पहले बरेली जिले में तैनात एसडीएम ज्योति मौर्या और उनके पति के बीच हुई विवाद ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। वहीं ये मामला एक बार फिर चर्चा में है। दरअसल, ज्योति मौर्या के पति आलोक मौर्या जोकि, चतुर्थ श्रेणी के सरकारी कर्मचारी है। उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट का रुख किया है और अपनी बीबी से गुजारा भत्ता दिलाने की मांग की है। पति आलोक मौर्या की याचिका पर संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने ज्योति मौर्या को नोटिस जारी किया है। वहीं इस मामले की अगली सुनवाई अगले महीने की 8 तारीख को होनी है।

फास्टैग से की हरकत तो सीधा होंगे ब्लैकलिस्ट

नई दिल्ली,13 जुलाई 2025(ए)। अब उन वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को तैयार है,जो अपनी गाड़ी के विंडस्क्रीन पर तय जगह पर फास्टैग नहीं लगाते। अब ऐसे मामलों की तुरंत रिपोर्टिंग और फास्टैग को ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। ये कदम टोल धोखाधड़ी को रोकने और टोल प्लाजा पर भीड़ को कम करने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है। एक आधिकारिक बयान में कहा है कि ये कदम टोल वसूली को और आसान और बेहतर बनाएगा। मंत्रालय ने ये भी बताया कि आने वाले समय में सालाना पास सिस्टम और मल्टी-लेन फ्री फ्लो टोलिंग जैसी नई योजनाएं शुरू की जाएंगी, इसलिए फास्टैग की असली पहचान और सिस्टम की विश्वसनीयता बनाए रखना जरूरी है।

संपादकीय

अमीर और अमीर

साहसिक स्वीकारोक्ति,सच्चाई का सामना या सरकार को आईना दिखाना कहें, या कुछ और लेकर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जो कहा उसे सरकार के रुख के विपरीत तो कहा ही जा सकता है।उन्होंने जो कहा उसका साफ-साफ अभिप्रायः यही है कि देश में गरीबों की संख्या बढ़ रही है, अमीर और अमीर होते जा रहे हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब संयुक्त राष्ट्र के हवाले से कुछ समय पहले कहा गया था कि देश में 33 करोड़ लोग गरीबी की रेखा से ऊपर उठ चुके हैं। संघ और अपने गढ़ नागपुर में एक कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि धन का विकेंद्रीकरण जरूरी है। उन्होंने कृषि,विनिर्माण, कराधान और बुनियादी ढांचे के विकास में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) सहित कई मुद्दों पर बात की। उनका इशारा अमीरों के धन पर शिंकजा ढीला करने की तरफ था। उनके अनुसार अर्थव्यवस्था को इस तरह से विकसित होना चाहिए कि रोजगार पैदा हों और ग्रामीण क्षेत्रों का उत्थान हो। उदार आर्थिक नीतियां अपनाने के लिए उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्रियों पीवी नरसिंह राव और मनमोहनसिंह की प्रशंसा की। उनके अनुसार ऐसे आर्थिक विकल्प पर विचार चल रहा है, जो रोजगार पैदा करेगा और अर्थव्यवस्था की वृद्धि को बढ़ावा देगा।केंद्रीय मंत्री सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में क्षेत्रीय योगदान में असंतुलन से चिंतित दिखाई दिए। विनिर्माण क्षेत्र 22-24 फीसद, सेवा क्षेत्र 52-54 फीसद योगदान देता है, जबकि कृषि, ग्रामीण आबादी के 65-70 फीसद हिस्से को शामिल करने के बावजूद केवल 12 फीसद योगदान देती है। कृषि क्षेत्र का योगदान अर्थव्यवस्था में और अधिक होना चाहिए। चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) की पीठ ठोकते हुए केंद्रीय मंत्री ने उनमें अन्य क्षेत्रों में भी दखल बढ़ाने को कहा।वे अर्थव्यवस्था के वृद्धि इंजन हो सकते हैं। आयकर रिटर्न दाखिल करने और जीएसटी जमा करने तक ही सीमित न रहें। गडकरी ने अपने मंत्रालय के काम का हवाला देते हुए कहा कि सड़क विकास के लिए धन की कमी नहीं है। मैं कहता हूं कि मेरे पास धन की कमी नहीं है, बल्कि मेरे पास काम की कमी है। उन्हें इस बात पर भी विचार करना चाहिए कि जनता से पैसा वसूल कर खजाना भरना ही योग्यता नहीं है।

भारत में परिवार नियोजन
युगल-केंद्रित रणनीतियों की आवश्यकता

विजय गर्ग
चांद मलोट
पंजाब

भारत हाल के वर्षों में अपनी कुल प्रजनन दर को कम करने में सक्षम है। लेकिन इतनी अच्छी खबर यह नहीं है कि कुल प्रजनन दर (टीएफआर) या एक महिला के औसत बच्चों की औसत संख्या और कुल वांछित प्रजनन दर के बीच एक बड़ा अंतर अभी भी मौजूद है या क्या दर हो सकती है यदि सभी अवांछित गर्भधारण हो सकते हैं टल और महिलाओं को उन बच्चों की संख्या हो सकती है जो वे चाहते थे। 2025 के संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष और सरकारी सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में तीन महिलाओं में से एक (36 प्रतिशत) ने अवांछित गर्भधारण का अनुभव किया।

बिहार, देश के शीर्ष तीन उच्च प्रजनन राज्यों में से एक है, एक प्रमुख उदाहरण है जहां टीएफआर 3 से नीचे आ गया है, लेकिन पीडब्ल्यूऐफआर2.2 है, यह दर्शाता है कि इनमें से कई जन्म अनपेक्षित हैं। स्वास्थ्य और गर्भनिरोधक सेवाओं तक खराब पहुंच के अलावा, गहराई से आरोपित पितृसत्तात्मक मानदंडों ने महिलाओं को नियोजन परिवारों में आने वाली समस्याओं को बढ़ा दिया है। हालांकि, कुछ जिलों ने दिखाया है कि इन बाधाओं को दूर किया जा सकता है। ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को समुदायों के साथ काम करने और परिवार नियोजन पर काम करने वाले पटना स्थित गैर-सरकारी संगठन जननी द्वारा परिवार नियोजन सेवाओं के बारे में सलाह देने के लिए प्रशिक्षण और प्रेरित करके 10 वर्षों में लगभग 14 मिलियन अवांछित गर्भधारण से बचा गया। इस रणनीति के काम करने का एक कारण यह था कि जोड़ों को केवल एफपी प्रेरक के रूप में तैनात करने की जिद थी। पत्नी को प्रशिक्षित करके, यह महिलाओं को अपनी पारंपरिक भूमिकाओं से बाहर निकलने और उन्हें बदलने वाले एजेंट बनने के लिए सशक्त बनाने में सक्षम था।

पति-पत्नी टीम द्वारा परिवार नियोजन के बारे में भ्रांतियों को

संबोधित करने में सफलता प्रत्येक साथी की अच्छी तरह से परिभाषित भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के कारण थी। उदाहरण के लिए, जब पत्नी ने महिलाओं की देखभाल की, तो उसका पति पुरुषों को सलाह देने का प्रभारी था। अंत गर्भाशयी उपकरणों (आईयूडी) और मौखिक गोलियों के बारे में सटीक जानकारी प्रदान करने के साथ, दंपति ने गर्भवती महिलाओं को पोषण और बाल रिक्ति के बारे में सलाह दी। इससे भी महत्वपूर्ण बात, उन्होंने महिला के स्वास्थ्य के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने समझाया कि एक महिला को परिवार नियोजन का बोझ उठाने वाला नहीं होना चाहिए और ट्यूबल लिगेशन से गुजरने के लिए मजबूर होना चाहिए। उन्होंने पुरुषों को नो-स्केलपेल नसबंदी (एनएसवी) के विकल्प के बारे में शिक्षित किया, जो ट्यूबल लिगेशन की तुलना में तेज था और किसी सर्जरी की आवश्यकता नहीं थी। परिवार के आकार को तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली सास को भी बोर्ड में लाया गया था। भारत में 44 प्रतिशत जिलों को ध्यान में रखते हुए 18 साल की उम्र से पहले शादी करने वाली महिलाओं का एक उच्च प्रतिशत बताया गया है, शायद इस गर्भनिरोधक जोड़ी टीम की रणनीति को किशोरों तक भी पहुंचने के लिए ट्वीक किया जा सकता है। यूएनएफपीए की 2025 स्टेट ऑफ द वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट, रियल फर्टिलिटी क्राइसिस के अनुसार, दूसरे, भारत में 15-19 वर्ष की आयु की 14.1 प्रतिशत प्रति 1000 महिलाओं पर किशोर प्रजनन दर अधिक रहती है। उच्च किशोर गर्भधारण वाले देश के 118 जिलों में से, बिहार 19 के साथ सूची में सबसे ऊपर है। राज्य में 23.39 मिलियन किशोर हैं, जिनकी आबादी 28.2 प्रतिशत है। चिंताजनक रूप से, उनमें से कई में सटीक यौन और प्रजनन स्वास्थ्य जानकारी नहीं है। जनसंख्या परिषद के एक अध्ययन में पाया गया कि बिहार के 38 में से 36 जिलों में साक्षात्कार किए गए 10,400 किशोरों में से केवल 44 प्रतिशत लड़कियों की उम्र 13-14 और 13-14 वर्ष की आयु के 56 प्रतिशत लड़कों को पता था कि एक महिला चुंबन या गले लगाने के बाद गर्भवती नहीं हो सकती है और 10 प्रतिशत को पता था कि एक महिला पहले सेक्स पर गर्भवती हो सकती है। अध्ययन में यह भी पाया गया कि 14.1 प्रतिशत अविवाहित किशोर लड़के और 6.3 प्रतिशत अविवाहित किशोर लड़कियों ने विवाह पूर्व यौन संबंध बनाए थे, और उनमें से 22 प्रतिशत लड़के और 28.5 प्रतिशत लड़कियों ने 15 से पहले विवाह पूर्व यौन संबंध बनाए थे। इसके अलावा, एक रोमांटिक साथी के साथ यौन संबंधों में किशोरों का एक बड़ा हिस्सा असुरक्षित यौन संबंध में लगा हुआ था। सूचित विकल्प बनाने में लैंगिक समानता एक बड़ी भूमिका निभाती है। यदि भारत को परिवार नियोजन 2030 और सभी हाशिए पर पड़े समुदायों, विशेष रूप से महिलाओं और किशोरों को समान गर्भनिरोधक विकल्प प्रदान करने के सतत विकास लक्ष्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करना है, तो उसे अपने प्रयासों में तेजी लानी चाहिए।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

अंतरिक्ष में भारत की मजबूत उपस्थिति

41 साल बाद भारत ने एक बार फिर अंतरिक्ष में अपनी उपस्थिति मजबूत की है। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा शुरू की जिसने न केवल भारत की अंतरिक्ष महत्त्वाकांक्षाओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया, बल्कि 1.4 अरब भारतीयों के सपनों को भी पंख दिए। अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा एक ऐसा अनुभव है, जो सामान्य मानवीय अनुभवों से परे है। यह न केवल वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धि है, बल्कि एक गहन व्यक्तिगत और दार्शनिक अनुभव भी है। ग्रूप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अपनी पहली अंतरिक्ष यात्रा के दौरान कहा, क्या कमाल की सवारी थी!' यह उत्साह और आश्चर्य उनकी भावनाओं का प्रतीक है,जो हर उस व्यक्ति के मन में कौतूहल जगाता है, जो अंतरिक्ष की सैर का सपना देखता है। अंतरिक्ष स्टेशन में प्रवेश करने पर सबसे पहला अनुभव शून्य गुरुत्वाकर्षण (माइक्रोग्रैविटी) का होता है। शुभांशु ने इसे शिशु की तरह चलना सीखने' जैसा बताया। अंतरिक्ष

यात्री को अपने शरीर को नियंत्रित करने,खाने,पढने् और यहां तक कि सोने के लिए भी नये तरीके सीखने पड़ते हैं। यह अनुभव चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ रोमांचक भी है। अंतरिक्ष में तैरना,जहां हर वस्तु हवा में लंगरहीन होती है,एक ऐसी अनुभूति है, जो पृथ्वी पर असंभव है।इसके साथ ही अंतरिक्ष से पृथ्वी को देखना एक गहन अनुभव है। नीले ग्रह की सुंदरता, बादलों की नाजुक परतें और महासागरों की विशालता अंतरिक्ष यात्रियों को प्रकृति और मानवता के प्रति गहरी जिम्मेदारी का अहसास कराती हैं। शुभांशु ने अपनी यात्रा के दौरान कहा, मैं दृश्यों का आनंद ले रहा हूं।' ये दृश्य न केवल मनमोहक हैं, बल्कि यह भी याद दिलाते हैं कि हमारा ग्रह कितना नाजुक और अनमोल है। अंतरिक्ष यात्रा शारीरिक और मानसिक रूप से कठिन होती है। लॉन्च के दौरान तीव्र जी-फोर्स का अनुभव, अंतरिक्ष में प्रारंभिक असुविधा और माइक्रोग्रैविटी में अनुकूलन की प्रक्रिया हर अंतरिक्ष यात्री के लिए कठिन परीक्षा होती है। शुभांशु ने हंसते हुए बताया कि उन्होंने अंतरिक्ष में काफी सोया' जो उनके अनुकूलन का हिस्सा था। इसके अलावा, अंतरिक्ष स्टेशन पर लंबे समय तक रहने से मांसपेशियों का क्षय और हड्डियों की कमजोरी जैसी समस्याएं हो सकती हैं, जिनका अध्ययन इस मिशन का एक हिस्सा था। अंतरिक्ष स्टेशन पर समय केवल दृश्यों का आनंद लेने तक सीमित नहीं है। एक्सिओम-4 मिशन के दौरान शुभांशु और उनकी टीम ने 60 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोग किए, जिनमें से सात भारत के थे। इन प्रयोगों में माइक्रोग्रैविटी में फसल बीजों का प्रभाव, मांसपेशियों के क्षय का अध्ययन और डीएनए मरम्मत जैसे विषय शामिल थे। यह कार्य न केवल वैज्ञानिक खोजों को बढ़ावा देता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग को भी मजबूत करता है।

-विनीत नारायण-

सबका अपना-अपना आईना

आत्माराम यादव पीव
ग्वालटोली नर्मदापुरम
मध्यप्रदेश

पत्रकारिता पक्षपात करने लगे, देखकर भी अनदेखा करें तब समझिये अक्ल और प्रतिभा को नष्ट करने के लिये द्रोणाचार्य एकलव्यों के अंगूठे कटवाना शुरू कर चुका है जिसकी तस्वीर आईने में देखकर भी न दिखाई जाये तब समझ लिये सत्य की विदाई की शुरुआत हो गयी है। वैसे यह सच है कि आईना बोलता है, पर मेरी यह बात आप सभी को अटपटी लगेगी, भला आईना भी कहीं बात करेगा, लेकिन यह बात सोलह आने सच है कि आईना बोलता है। समाज के हर जाति वर्ग का अपना-अपना आईना होता है वहीं विधायिका, कार्य पालिका, न्याय पालिका सहित चौथे स्तंभ पत्रकारिता का भी आईना होता है। बात चैथे स्तम्भ पत्रकारिता के आईने में दिखने वाली तस्वीर की है जिसमें होने वाली हर छोटी बड़ी हलचल मायने रखती है। आईने का स्वभाव एक ही है कि वह किसी के भी आईने से देखे, वह वहीं बतायेगा जो चेहरा उसके सामने होता है। पत्रकार की कलम अच्छे-बुरे में, अपने-पराये में, ऊँच-नींच में, छोटे-बड़े में सच-झूठ में, नीयत-बदनीयत में एक बारगी आंखों देखी की हूबहू सूरत में फर्क कर सकती है पर आईने की गवाही में आईना सच ही कहेगा।पत्रकारों के पास भी वहीं आईना होता है जो दृश्य को हूबहू दिखाता है, पर उसकी ऑखों में अपने अखबार मालिक का लगाया काजल होता है, जिसमें तस्वीर को अपने मालिक के कागज की झॉई से देखता है,या अपने स्वार्थ के लिये अनदेखा भी कर देता है। आईने में सच्चाई की एक ही तस्वीर के अनेक रूप दिखाने वाले पत्रकार की ऑखों में भेदभाव, विसंगतियॉं, दुख दर्द पीड़ा, मिलन-बिछोह, नक्कासी, सुन्दरता-कुरूपता आदि की सकरात्मक, नकारात्मक तस्वीरे उनके मन में भरे वैचारिकता को प्रकट करती है। किसी ने कहा है- ''जाने कैसी हवा का असर है, सहमा-सहमा सा हर शहर है।'' आप उसकी मूक स्वरों में दी इस गवाही को

आईने की गवाही मान कर संतुष्ट हो सकते है पर गंदगी कहां है, सुगन्ध कहॉ है यह आईना देखता है, पर बोलता नहीं पर समझता है-''हमको पता है आपकी सारी सियासतें। अंधा कुआं है इसमें हमें मत गिराईये।'' मेरे शहर में सामाजिक सरोकार के अनेक आयोजन होते है। अनेक आयोजन ऐतिहासिक उपलब्धियों से पूर्ण होते है,जिसमें विधायिका, कार्यपालिका,न्यायपालिका के शीर्षस्यों की उपस्थिति उन्हें गरिमा और गौरव प्रदान करती है। हम चौथे स्तम्भ में गिने जाते है, सभी स्तंभों के अपने -अपने भव्य आलीशान भवन है, पर हम पत्रकारों को यह सौभाग्य कहा,? मुश्किल से प्रदेश में एक दो प्रतिशत भवन पत्रकारों की सहूलियतों के लिये कानून-विधान के विशाल पहाड़ों का पार करने दुर्गम परिश्रम के बाद मिलते है, तब भवन पाकर पत्रकारों को गौरवान्वित होना चाहिये पर वे अपने भाग्य को गलियों में गुर्राना मानकर वही तस्वीर दिखाये तो समाज क्या अर्थ निकालेगा, इतनी समझ विकसित न कर पाने वालों की खोपड़ी पर तरस तो आयेगा ही! ऐसे बड़े बैनर वाले, बड़े नाम वाले,खुदको खुदा समझने वाले मूर्धन्य पत्रकारों की खोपड़ी में बात क्यों नहीं आती ? सीधा सा कारण हो सकता है कि वे अपने को किसी शहनशॉह से कम नही समझते है भले महलों में रहकर भूखे-नंगों का बर्ताव कर घात लगाकर शिकार करना उनका शौक बन गया हो, ऐसे शिकारियों के शिकार बन बैठे विधायिका, कार्यपालिका आदि के छोटे ओहदे से बड़े ओहदे तक भलीभॉंति जानते समझते है। हमेशा खून पीने वाले खून को ही अमृत मानते है और आईने के समक्ष अपनी कलम में बंद आंखों से रोशनी का गुणगान करते है। यही मानसिकता की हमें अपना खुदा मानो तो तुम हमारे सगे-सम्बन्धी हो, भाई-बहिन हो, और जरा सी खुदाई अगर घास के तिनके को मिल जाये तो ये छद्मवेशी पूरे जंगल में आग लगाकर तिनके के अस्तित्व का मिटा कर साधुता के चोले में अपनी पूजा ये करवाते है। आईना में तस्वीर देखकर समाज को दिखाने का काम ऐसे ही पत्थदिल औकातहीनों के भरोसे आ जाये तो ये आपके चमन को पतझड़ बना कर आपके घर में लुटेरे बनकर प्रवेश कर बस जायेंगे। या यूं भी कहा जा सकता है कि-''चुनचुन कर खॉ गये,सभी नदियों की मछलियॉं। बगुला भगत बने है ये उजले परों के लोग।'' इसलिये इनसे बचने का एक ही उपाय है कि इनके आईनों से पैदा हुई इनकी कुंठित मानसिकता की तस्वीर से खुद बचे और समाज को, अपने शहर को भी बचाये। भाषा शैली में ये अपने मस्तिष्क पर जोर नहीं डालते है, इनकी अपनी खोपड़ी में एकाध खिड़की खुली होती है जिसे वे दुनिया के परमाणु बम से कम नहीं मानते है। मेरे शहर में चंद कलमकारों की मेहनत-परिश्रम से बने पत्रकार भवन के 17 सितम्बर विश्वकर्मा जयंती पर हुये शिलान्यास पर विधायक से लेकर पार्षद तक सारे अतिथि प्रसन्न है, जो आने वाले पत्रकारों की नस्ल के काम आएगा और जिला मुख्यालय पर जिले के दूर-दराज से आये पत्रकार के लिये उपयोगी साबित होता।

संजय गोस्वामी
मुंबई,महाराष्ट्र

राजनीति में पढ़ाई का महत्व है उम्र का नहीं

पढ़ाई किसी भी क्षेत्र में केवल शिक्षा ग्रहण नहीं करना है बल्कि हमें शिक्षक से गुणवान बनाता है जो जीवन में जरुरी है। ख़ासकर आज के तकनीकी युग में । हालांकि चुनाव एक लोकतान्त्रिक प्रक्रिया है इसमें लागू नहीं होता है लेकिन यदि पढ़ा लिखा होगा तो भविष्य में उसे अवश्य ही काम आएगा। मैं एक सेमिनार में मुख्य अथिति के रूप में 2016 में सिवनी गया जहाँ सभी डॉ थे और हमें उनके व्यवहार से ये सीखने क़ो मिला पीएचडी आपके लिए काफी मायने रखती है हालांकि आर्ट और साइंस में करना उतना टफ नहीं है जितना इंजीनियरिंग में क्योंकि बीटेक ही एक टफ कोर्स है। इंडिया में शिक्षा विदेशों से काफी बेहतर है जिसमें संस्कार क़ो भी एक आदर्श के रूप में देखा जाता है। यह हमें चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, सतना में देखने क़ो मिला जहाँ छात्र शिक्षक क़ो पैर छूते नजर आए यही हमारी संस्कृति है जो बड़ो का सम्मान करना और सही वक्तव्य देना उचित होता है जहाँ तक राजनीति का सवाल है। अब उसमें भी पढ़े लिखें लोग शामिल हो रहें है जो पूर्व में आईएएस रहें हैं। जैसे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और राजीव प्रताप रूड़ी,केंद्रीय मंत्री डॉ जीतेन्द्र सिंह और राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी और शशि थरूर जैसे कई अनुभवी नेता हैं। देश क़ो चलाने के लिए मंत्रालय होता है और उसके लिए सरकार द्वारा चुनाव में जीते गए एमपी या राज्य सभा के सांसद होते हैं मंत्री पद भी उनकी योग्यता के अनुसार देने की कोशिश होती है। जैसे स्वास्थ्य मंत्रालय में डॉ और न्याय मंत्रालय में एल एल बी होता है मंत्री के नीचे 1 या दो राज्य मंत्री होते हैं और उस मंत्रालय का सचिव जो आईएएस रैंक का या उस क्षेत्र से सम्बंधित उच्च संस्थान में निदेशक हो जैसे विज्ञान और प्रोधोगिकी मंत्रालय के सचिव प्रोफेसर अभय करणदीकर जी है हैं जो आईआईटी,कानपुर के फॉर्मर डायरेक्टर थे। इसी तरह अन्य विभाग में होता है उसे उस क्षेत्र की पूर्ण जानकारी होता है । अतः वह विदेश में भारत का प्रतिनिधित्व करता है अभी हाल ही में अमेरिका में यूक्रेन क़ो हथियार के मदद में राष्ट्रपति ट्रम्प के आदेश के बाद भी रक्षा सचिव ने वहाँ से बापस मंगा लिया क्योंकि ऑडिट करना कारण बताया गया। अतः सरकार सचिव के मामलों में दखल नहीं देती है क्योंकि वो कैबिनेट से चुने जाते है। अतः यदि मंत्री पढ़ा लिखा होगा तो उस क्षेत्र का सही ज्ञान होगा और विदेश में किसी भी समझौता में बहुत सोच-समझ कर जबाव देगा। हाल ही में भारत में रक्षा के क्षेत्र में उप सेना प्रमुख राहुल आर.सिंह,4 जुलाई, 2025 को फिक्की द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में साफ कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में हम सिर्फ पाकिस्तान से नहीं,बल्कि तीन फ्रंट पर लड़ाई कर रहें थे जिसमें पाकिस्तान के साथ तुर्की भी शामिल था। इसमें सेना पर गर्व करना चाहिए कि सेना की ताकत और भविष्य में रक्षा कूटनीति की की नितांत आवश्यकता है और

रूस से सम्बन्ध यदि ठीक नहीं है तो उसे सुधारने की जरुरत है । इसलिए शायद सरकार ने शशि थरूर क़ो रूस भेजा। अमेरिका कभी मदद नहीं करेगा इसका पुराना इतिहास रहा है। हालांकि इजराइल ने मदद की है जैसे अन्य स्रोत से मालूम हुआ है । अतः भारत ने इसलिए ईरान और इजराइल के युद्ध में दुरी बना लीं । अब विदेश नीति क़ो सुधार करने की जरुरत है क्योंकि हम अभी भी रक्षा के मामले में आत्मनिर्भर नहीं है। ये तो पूर्व प्रधानमंत्री अटलजी का 1998 में अमेरिका क़ो ताक में रख कर परमाणु परीक्षण किया जिसका हवाला ट्रम्प ने दिया कि भारत में सीजफायर इसलिए कराया ताकि परमाणु युद्ध ना हो जाये और जब पता लगा की पाकिस्तान का परमाणु बम किसी और देश अमेरिका के नियंत्रण में है तो प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्र के नाम पर पाकिस्तान क़ो सीधा संदेश दिया कि परमाणु ब्लैक मेल नहीं चलेगी। ऐसा भारत के इतिहास में पहली बार किसी प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्र के नाम संदेश में दिया। यदि हर किसी के कार्य के बारे में चर्चा करे इससे पहले अपने बारे में चर्चा से आज के हालत में पढ़ाई की कीमत क़ो पहचाने आज तकनीकी युग है।

शुरू से हमलोगों का पेशा नौकरी करना नहीं रहा है लेकिन समय बदलते ही ये समझ गया आने वाला समय टेक्नोलॉजी का है। इसलिए भाई क़ो इंजीनियरिंग करने क़ो प्रोत्साहित किया और इस प्रकार समाज में योग्यता के बल पर मान-सम्मान मिला। पहले हमारे बुजुर्ग लोग पूजा-पाठ और लोगों की समस्या क़ो हल करते थे। कई अपने रिश्तेदार में समाधि भी लगाई है । विंध्याचल से लेकर वृन्दावन में हमारे रिश्तेदार रहते हैं। हमें रामायण की शिक्षा दादाजी से मिली और बाद में प्रभु राम के महत्व क़ो जाना। अतः नेगेटिव और पोजेटिव दोनों का होना जरुरी है। पोजटिव पाना है तो नेगेटिविटी गतिविधियों क़ो मन में आने ही ना दें। अच्छा कर्म, मानवता ही पोजेटिव का स्रोत है। हमारे परिवार में आज भी लोग खुद पूजा-पाठ करते हैं जो पोजटिव एनर्जी देती है। अतः पढ़ना जरुरी है देश में पढ़े-लिखें लोगों क़ो ही वोट देना प्रदेश या देशहित में होता है क्योंकि इससे उसे अपने व्यवहार और समस्या क़ो हल करने में सहूलियत होती है नीतीश कुमार जो वर्तमान में बिहार के सीएम हैं वो एन आईटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिग्री किए है।इसलिए बिहार का विकास हुआ और खुद प्रशांत किशोर जन सूराज पार्टी के नेता तेजस्वी यादव जो महागठबंधन के लिए बिहार में अगले चुनाव में अपने मुख्यमंत्री की दावेदारी कर रहें हैं 9 वीं फेल है। यह मंच पर बताने की जरुरत नहीं थी बिहार के लोग खुद जानते हैं क्योंकि जब जेडीयू और आरजेडी के गठबंधन से 2015 में सरकार बनी थी तब गली।गली में लोग कह रहें थे कि तेजस्वी यादव क़ो उपमुख्यमंत्री बनाया गया जो 9 वीं फेल हैं। बिहार में कुछ भी छिपता नहीं है वहाँ शाम में लोग चाय पर निकलते हैं। और यही सब चर्चा चलती है जब 2014 में एक चाय बेचने वाला जो एनडीए के हमेशा खिलाफ रहा तो मोदीजी के प्रधानमंत्री बनने पर बहुत खुश हुआ कि चाय बेचने वाला जब प्रधान मंत्री बन सकता है तो लोकतंत्र में क़ोई भी देश का सच्चा सेवक क्यों नहीं बन सकता लेकिन तेजस्वी यादव और राहुल गाँधी ने कभी भगवान श्री राम पर खुले दिल से उनके प्रशंसा के क़ोई भी बात नहीं कहा। इसलिए ऐ सब बिहार चुनाव में क़ोई मायने नहीं रखती क्योंकि वहाँ की जनता क़ो सब मालूम है।अतः बोलचाल और चुनाव में गमछा हिलाने से ही पता चल जाता है कि क्या है पढ़ाई से जो उस मंत्रालय के सचिव या आई पी एस ऑफिसर होते हैं। उन्हें एक सम्मान मिलता है इसलिए इसे किसी मंच पर मुद्दा बनाना सही नहीं है। इतने दिनों से नीतीश कुमार ने कभी उसकी योग्यता पर प्रश्न नहीं किया और काम करते चले गए लेकिन आज कल बिहार में कारोबारी की हत्या होना भी सही नहीं है। प्रशासन क़ो ध्यान देना चाहिए क्योंकि इससे सरकार क़ो घेरने का विपक्ष क़ो मौका मिलता है। एक गाना था जो लाफ्तर,मीमरिकी और हास्य कवि ने खुब शेयर की वो था सुहाग रात है घुंघट उठा रहा हूँ। मैं इसमें गाने के रूप में ढालने की क्या जरुरत थी। ये तो सभी शादीशुदा लोग जानते हैं और इसी तरह जब बिहार में सबको सबका हाल मालूम है तो उसे मंच पर प्रशांत किशोर क़ो मुद्दा बनाने की जरुरत नहीं थी क्योंकि प्रशांत किशोर के बारे में बिहार में बच्चा बच्चा जानते हैं। इतना आसान नहीं है चुनाव जीतना क्योंकि यही गलती पूर्व के चुनाव में उपेंद्र कुशवाहा और पप्पू यादव जी ने की और बाद में ये बात समझ में आई की बिहार में तीन ही प्रमुख पार्टी हैं बीजेपी,जेडीयू, और आरजेडी। इसमें क़ोई भी दो पार्टी मिलेगी तभी सरकार बनती है और बीजेपी प्रधानमंत्री मोदीजी के नाम पर महिलाओ व बुजुर्गो का बड़ा जनाधार है। इसलिए ऐसा कहना भी ठीक नहीं होगा कि प्रधानमंत्री यदि 75 साल के हो गए तो रिटायर लें लेना चाहिए क्योंकि क़ोई दूसरा विकल्प बीजेपी के पास नहीं है और यदि ऐसा हुआ तो बीजेपी अपना जनाधार ख़ो सकती है। मुझे लगता है यह तीसरा टर्म मोदीजी अवश्य देशहित में पूरा करेंगे। क्योंकि राजनीति में पढ़ाई का महत्व है उम्र का नहीं। हालांकि उप्र के मुख्यमंत्री योगीजी व केंद्रीय मंत्री माननीय गडकरी जी का नाम मीडिया में फ़ैल रहा है लेकिन उप्र में जो लोकसभा के नतीजा आए वो हैरान करने वाले हैं और केंद्रीय मंत्री गडकरी जी में एक अच्छी काबिलियत है लेकिन यहाँ आप देश के हिसाब से देंखे अन्य राज्यों में उनकी पकड़ कितनी मजबूत है।

कविता
भोले का अंदेशा...

घटती-घटना

कार्तिकेय कुमार
गांधीनगर,इंदौर
मध्यप्रदेश

जब-जब गाता मन भोले को,
तन में रंग उतर जाता,
जीवन का हर सपना मेरा,
पल में पूरा हो जाता।
जब-जब गाता ....
छुपा हुआ हर शब्द में भोले,
सृष्टि का श्रृंगार यहां,
तन-मन जब-जब करवट लेता,
बस जाता संसार वहां।
जब-जब गाता ....
बसी हुई दुनिया भोले की,
सबमें प्रीत बढ़ाती हैं,
भक्ति के बस में होकर ये,
सबमें आस जगाती हैं।
जब-जब गाता ....
मन का दर्पण उजला होता,
द्वेष-भाव सब धुंधला होता,
भोले का संग मिल जाने से,
प्रेम भाव फिर गहरा होता।
जब-जब गाता .....
सावन की रुत अब आई ,
भोले का संदेशा लाई ,
इस जन-जीवन संग धरा भी,
मंद-मंद खुद-भी मुस्काई।
जब-जब गाता ..

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

निजी स्कूलों सहित शासकीय स्कूलों में छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम की किताबें ही चलेंगे...पर किताबों की आपूर्ति भगवान भरोसे...

■ शासकीय स्कूलों तक किताब पहुंच नहीं पाई अब निजी स्कूलों तक किताब कैसे पहुंचेगी?

■ सरगुजा संभाग के 6 जिलों के निजी व शासकीय स्कूलों तक किताब पहुंचने में आ रही है कई दिक्कतें...

▸▸ एक जिले के निजी स्कूल को पुस्तक लेने के लिए अंबिकापुर के डिपो में एक दिन का समय और एक दिन में मात्र 56 स्कूलों को ही मिल पा रहा है पुस्तक...

▸▸ कोरिया के 126 निजी स्कूलों को किताब देने का दिया आदेश, वितरण सिर्फ 57 को बाकी खाली हाथ लौटे...

▸▸ छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम की लापरवाही,आदेश से निजी स्कूल हो रहे परेशान...

अंबिकापुर स्थित पुस्तक भंडार में निजी स्कूल का लगा हुजूम...प्रभारी ने कहा हम क्या करें...

जो कार्य सत्र आरंभ होने के पूर्व जून माह में हो जाना था संपन्न,उसके लिए विद्यालय खुलने के एक माह बाद तक जद्दोजहद

- सिर्फ चंद कर्मचारी के भरोसे किताबें बांटने का जिम्मा और बदहाल व्यवस्था
- कर्मचारियों की कमी और बारकोड स्कैनिंग ने बिगाड़ी वितरण की व्यवस्था, विद्यालयों में पढ़ाई पर असर
- किताबों के बारकोड स्कैनिंग के चलते शिक्षक और स्कूल प्रबंधन परेशान

-न्यूज डेस्क-

अंबिकापुर,13 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ में अब जो भी निजी स्कूल हैं,जो छत्तीसगढ़ बोर्ड से या छत्तीसगढ़ के रजिस्ट्रेशन पर स्कूल संचालित हो रही है,वह निजी स्कूल में भी छत्तीसगढ़ पाठ्यक्रम की पुस्तक चलेंगे। सभी स्कूलों में अब अपने मनमानी किताबें नहीं चला पाएंगे। अब सभी को छत्तीसगढ़ पाठ पुस्तक निगम के द्वारा ही किताब उपलब्ध कराई जाएगी, जिसका आदेश छत्तीसगढ़ शिक्षा विभाग ने जारी कर दिया था। इससे निजी स्कूलों पर जो अभिभावकों का किताब में अधिक पैसा खर्च होता था,वह भी अब बच जाएगा। वहीं आरटीई के तहत भी पढ़ रहे बच्चों को किताबों के बोझ से मुक्ति मिलेगी पर समस्याएं भी कम नहीं है,छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के आदेशानुसार पूरे प्रदेश में शासकीय किताबों का वितरण किया जा रहा है। सरगुजा संभाग से लेकर पूरे संभाग में फैली अव्यवस्था से निजी स्कूल संचालक काफी परेशान हो रहे हैं। ऐसा ही कुछ आलम अंबिकापुर में स्थित पुस्तक भंडार में देखने को मिला,जहां 10 जुलाई गुरुवार को कोरिया और एमसीबी जिले के 269 निजी स्कूलों के लिए पुस्तक वितरण करने का दिन दिया गया। जिसमें लगभग 50 स्कूलों को पुस्तक मिल सका। अंबिकापुर बुक डिपो प्रभारी गुलाबराम केरकेट्टा ने बताया कि शासन के आदेश का पालन कर रहे,जबकि यह समस्या पूरे प्रदेश में व्याप्त है, जबकि पुरे संभाग में 1000 से अधिक निजी स्कूल है।

सुबह से निजी स्कूल के शिक्षकों के साथ कर्मचारी हुए परेशान

कोरिया,एमसीबी से निजी स्कूलों की संख्या 269 के स्कूलों के प्रतिनिधि सहित स्कूल संचालक सरगुजा संभाग में पाठ्य पुस्तक वितरण व्यवस्था में अव्यवस्था और बदइंतजामी से परेशान हैं। अंबिकापुर के शंकर घाट स्थित पाठ्य पुस्तक निगम के गोदाम से संभाग भर के प्राइवेट स्कूलों के किताबें वितरण की जा रही हैं, लेकिन चुनिंदा कर्मचारियों के भरोसे भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गुरुवार को कोरिया और एमसीबी जिले के स्कूलों के लिए किताब वितरण की तिथि करीब 250 स्कूलों के संचालक और स्टाफ किताब लेने के लिए स्वयं के वाहन और साधन तथा मजदूरों के साथ पहुंचे परंतु अव्यवस्था का आलम यह रहा कि लगभग 50 से 60 स्कूल संचालकों को ही किताबें मिल पाए और बाकी स्कूल संचालकों को खाली हाथ लौटना पड़ा। जो स्कूल संचालक दूर दराज से आए थे, घंटो इंतजार करने के बावजूद उन्हें किताबें नहीं मिल पाई।

शासकीय स्कूलों तक किताब पहुंच नहीं पाई तब निजी स्कूलों तक किताब कैसे पहुंचेगी?

विगत सत्र में करोड़ों की शासकीय किताबों का कबाड़ में बेचा जाना शिक्षा विभाग और छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम पर सवालिया निशान लगा गया था। जिससे बचने के लिए इस बार छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम और छत्तीसगढ़ सरकार ने पुस्तकों में बारकोड स्कैनिंग की व्यवस्था बना रखी है, जिससे छापी जाने वाली प्रत्येक पुस्तकों का हिसाब रखा जा सके। शिक्षा सत्र प्रारंभ हुए एक माह बीत चुके हैं, परंतु अभी तक छत्तीसगढ़ में संचालित शासकीय विद्यालयों में ही पुस्तकों की आपूर्ति नहीं हो पाई है। ग्राउंड स्तर पर रिपोर्ट लेने के पश्चात यह पाया गया कि शासकीय विद्यालयों में 20 प्रतिशत पुस्तक भी अभी तक नहीं पहुंचे हैं। आनन-फानन में शिक्षा सत्र के प्रारंभ के दबाव को लेकर और शाला प्रवेश उत्सव मनाने के लिए कुछ विषयों की चंद किताबों का वितरण विद्यालयों में किया गया है, बाकी पुस्तकों का अभी तक कोई अता-पता नहीं है। इससे पढ़ाई तो प्रभावित हो ही रही है, सरकार की किरकिरी भी हो रही है। क्योंकि जिस गंभीरता के साथ सरकार ने युक्तियुक्त कारण कर विद्यालयों में शिक्षकों के पद को समाप्त किया।

जो कार्य सत्र आरंभ होने के पूर्व जून माह में हो जाना था संपन्न,उसके लिए विद्यालय खुलने के एक माह बाद भी जद्दोजहद

विद्यालयों में किताबों की आपूर्ति और निजी विद्यालयों के लिए छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा छापी गई पुस्तकों द्वारा अध्ययन अध्यापन की तैयारी जहां सत्र आरंभ होने के पूर्व माह जून में ही कर ली जानी थी, वह प्रक्रिया अब तक संपन्न नहीं हो पाई है। निजी विद्यालयों की बात छोड़िए, शासकीय विद्यालयों में भी पुस्तक के अभाव में छात्रों की पढ़ाई प्रभावित है। परंतु इस ओर किसी का ध्यान नहीं है। पढ़ाई के लिए सत्र आरंभ के पूर्व जो तैयारी सरकार और छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक नियम के द्वारा की जानी थी, उस पूरे समय तक छत्तीसगढ़ शासन का फोकस केवल नए सेटअप बनाने में, शिक्षकों के पद समाप्त करने में और युक्तियुक्त करण करने में व्यतीत हुआ। और जिस गंभीरता के साथ इस प्रक्रिया को पूरा किया गया,यदि इस गंभीरता के साथ शिक्षण सत्र को प्रारंभ करने के लिए दिखाई जाती तो स्थिति कुछ और होती। यह सही है कि निजी विद्यालयों में छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम की छपी पुस्तकों के द्वारा अध्यापन कराए जाने से निजी विद्यालयों की मनमानी पर अंकुश लगेगा और अभिभावकों को महंगी किताबें को खरीदने का बोझ का सामना नहीं करना पड़ेगा, परंतु दिन प्रतिदिन समय बीतने पर जहां पढ़ाई प्रभावित हो रही है,वहीं इस सत्र में अभिभावकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलता नहीं दिख रहा। क्योंकि सत्र आरंभ होने के पश्चात एक माह का समय बीत चुका है,और लगभग निजी विद्यालयों के सभी छात्र-छात्राओं ने विद्यालय द्वारा संचालित पुस्तकों को खरीद लिया है। अभी भी अव्यवस्था का आलम यह है कि आगे कितने दिनों तक पुस्तकों की आपूर्ति हो पाएगी यह कह पाना संभव नहीं है।

किताबों के बारकोड स्कैनिंग के चलते शिक्षक और स्कूल प्रबंधन परेशान

छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा छापी गई किताबों के हिसाब-किताब के लिए इस बार प्रत्येक पुस्तक में बारकोड स्कैनिंग की व्यवस्था सरकार द्वारा की गई है। परंतु इसमें भी भारी अनियमितता देखने को मिल रही है। जहां एक ओर सरकार के सही तरीके से ना चलने पर पुस्तकों को स्कैन करने में शिक्षक और कर्मचारियों को बेहद दिक्कत आ रही है, वहीं कई पुस्तकों में बारकोड के सही तरीके से प्रिंट न होने के कारण वह स्कैन नहीं हो पा रहा, जिसका अलग से हिसाब-किताब सरकार को प्रस्तुत करना है। समझ में यह नहीं आता कि यह व्यवस्था सरकार द्वारा क्यों की गई है। जब ऑनलाइन प्रक्रिया के चलते और यू-डाइस के माध्यम से शासकीय विद्यालयों में अध्ययन कर रहे छात्रों की कक्षा वार कुल संख्या सरकार के पास उपलब्ध है तो छात्रों की संख्या अनुसार किताबों की छपाई कर प्रदान कर देना ज्यादा आसान कार्य था, बजाय बारकोड स्कैनिंग कर किताबों के हिसाब किताब रखने से। परंतु शिक्षा विभाग में पदस्थ अधिकारियों को न जाने क्या सूझा की एक और बोझ शिक्षकों के माथे डाल दिया गया।

स्वच्छता में फिर चमका अंबिकापुर सुपर स्वच्छ लीग में देश में शीर्ष पर

-संवाददाता-

अंबिकापुर,13 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। देशभर के स्वच्छ शहरों के बीच अंबिकापुर नगर ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट स्वच्छता व्यवस्थाओं के चलते राष्ट्रीय पटल पर गौरव हासिल किया है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के तहत 50,000 से 3,00,000 की जनसंख्या वर्ग में अंबिकापुर को शीर्ष स्थान प्राप्त हुआ है। इसी उपलब्धि के आधार पर अंबिकापुर को सुपर स्वच्छ लीग में शामिल किया गया है। सुपर स्वच्छ लीग भारत सरकार द्वारा स्वच्छता एवं सफाई के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने वाले शहरों को प्रोत्साहित करने की नई पहल है। इस लीग में उन्हीं शहरों को शामिल किया गया है जिन्होंने पूर्व और वर्तमान स्वच्छ सर्वेक्षण में असाधारण प्रदर्शन किया है। हालांकि,इस लीग में शहरों की आपस में कोई रैंकिंग नहीं की जाएगी, बल्कि इसका उद्देश्य है-शहरी स्वच्छता में निरंतर उत्कृष्टता को प्रेरित करना। इस उपलब्धि को चिह्नित करते हुए अंबिकापुर नगर निगम को 17 जुलाई 2025 को विज्ञान भवन,नई दिल्ली में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में आमंत्रित किया गया है। नगर निगम द्वारा स्वच्छता में यह मुकाम माननीय उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय

प्रशासन मंत्री अरुण साव के नेतृत्व और सचिव वसव राजू के दिशा-निर्देश में राज्य शहरी विकास अभिकरण के तकनीकी मार्गदर्शन से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रभावी क्रियान्वयन से प्राप्त हुआ है। स्थानीय स्तर पर कलेक्टर महोदय द्वारा केंद्रों का निरीक्षण कर उन्हें सुदृढ़ बनाने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए और वित्तीय सहायता से सभी केंद्रों में मरम्मत कार्य एवं सफाई संसाधनों की वृद्धि की गई। माननीय महापौर एवं नगर निगम के सभी जन प्रतिनिधियों द्वारा जनभागीदारी को सुनिश्चित करने सक्रिय सहयोग दिया गया।

नगर के नागरिकों,व्यापारियों,स्कूलों, अस्पतालों एवं अन्य संस्थानों द्वारा गीले एवं सूखे कचरे का पृथक्करण करते हुए डोर-टू-डोर कलेक्शन में सहयोग और नियमित यूजर चार्ज का भुगतान कर इस अभियान को सफलता दिलाई।साथ ही,स्वच्छता दीदियों,सफाई कर्मियों और संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नगर स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए पूरी निष्ठा से कार्य किया।

यही कारण रहा कि अंबिकापुर ने एक बार फिर देश में अपने श्रेणी में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। नगर निगम परिवार ने समस्त नागरिकों को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देते हुए आग्रह किया है कि वे इसी प्रकार स्वच्छता में सहयोग करते रहें, जिससे अंबिकापुर हमेशा स्वच्छता में अग्रणी बना रहे। सुपर स्वच्छ लीग में बने रहने के लिए निकायों को आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण में न्यूनतम 85 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। यह अंबिकापुर के लिए एक नई चुनौती और अवसर दोनों है।

पूरक परीक्षा देने निकली छात्रा लापाता

अंबिकापुर,13 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। कक्षा 10वीं की पूरक परीक्षा लिखने के लिए कहकर घर से निकली छात्रा लापाता हो गई है। छात्रा के परिजन ने मामले की रिपोर्ट सीतापुर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस गुम इंसान दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार सीतापुर थाना क्षेत्र की रहने वाली 16 वर्षीय छात्रा अंबिकापुर स्थित अजीरमा में एक मैडम के यहां रहकर कक्षा 10वीं में पढ़ती है। वह कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में फेल हो गई थी। 8 जुलाई को पूरक परीक्षा लिखने अपने घर सीतापुर थाना क्षेत्र से बस से अंबिकापुर जाने निकली थी। जो वापस नहीं लौटी। छात्रा के परिजन ने अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसे भगाकर ले जाने की आशंका जाताते हुए मामले की रिपोर्ट सीतापुर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने धारा 137 (2) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

घर के बाहर से बाइक चोरी,रिपोर्ट दर्ज

अंबिकापुर,13 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। घर के बाहर से अज्ञात चोरों ने बाइक पार कर दी है। बाइक मालिक ने माले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार मो. मेराजुद्दीन शहर के मोमिनपुरा का रहने वाला है। वह 10 जुलाई की शाम को अपनी बाइक को घर के बाहर खड़ा किया था और स्कूटी से ड्यूटी चला गया था। रात को वापस आने पर सोने चला गया। दूसरे दिन सुबह उठकर देखा तो उसकी बाइक नहीं थी। किसी अज्ञात द्वारा चोरी कर ली गई थी।

राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव की 92वीं जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि

अंबिकापुर,13 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। राजमाता स्व. देवेंद्र कुमारी सिंहदेव की 92वीं जयंती पर रविवार जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा के राजीव भवन में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उनके पुत्र एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे। राजमाता का जन्म 13 जुलाई 1933 को हिमाचल के जब्बल राजपरिवार में हुआ था। विवाह उपरांत उन्होंने सरगुजा में रहकर राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई। वे अंबिकापुर व बैकुंठपुर से विधायक रहीं एवं मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री भी रहीं। कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने उन्हें सरगुजा कांग्रेस संगठन की आधारशिला बताया। टीएस सिंहदेव ने कहा कि उन्होंने महिला एवं युवा नेतृत्व को सशक्त करने का कार्य किया। उनके धार्मिक पक्ष का उल्लेख करते हुए बताया गया कि शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती जी के आगमन की समस्त तैयारी उन्होंने स्वयं की थी। कार्यक्रम पश्चात प्रतीक्षा बस स्टैंड स्थित प्रतिमा स्थल पर माल्यार्पण एवं महामाया मंदिर में भंडारा हुआ। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व गणमान्यजन उपस्थित रहे।

वन पाल के सूने मकान का ताला तोडक़र जेवरात व अन्य सामान चोरी

अंबिकापुर 13 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। ग्राम गोरसीडबरा में 10 व 11 जुलाई की दरमियानी रात चोरों ने वनपाल के सूने मकान का ताला तोडक़र वारदात को अंजाम दिया है। चोरों ने अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात, लैपटॉप व अन्य सामान पार कर दिया है। वनपाल ने ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मलेश्वर प्रसाद सिंह गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम गोरसीडबरा बिशुनपुर खुर्द का रहने वाला है और वन विभाग में वनपाल के पद पर कार्यरत है। वह 10 जुलाई को अपने परिवार सहित घर में ताला बंदकर अपने मूल निवास गुमगराकला लखनपुर गया था। 12 जुलाई की सुबह रिश्ते का भाई मलेश्वर के मोबाइल पर फोन कर जानकारी दी की तुम्हारे घर का ताला टूटा हुआ है। सूचना पर मलेश्वर सह परिवार वापस आया और देखा की घर का ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने अलमारी का लॉकर तोडक़र एक लैपटॉप, सोने का मंगल सूत्र 2 सेट, सोने का कान का बाली 2 सेट, सोने का चेन 1 नग, सोने का अंगुठी 2 नग, चांदी का पायल 5 सेट, चांदी का कड़ा 8 नग, सोने का नथनी 8 नग, चांदी का बिछिया 14 नग व नकदी चोरी कर ले गया है। मलेश्वर ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

किराना दुकान में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अंबिकापुर,13 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। गांधीनगर थाना क्षेत्र के फुंदुलडिहारी चौक स्थित तिरुपति स्टोर्स में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया है। दुकान संचालक कमलेश कुमार वर्मा ने 25 जून को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 23 जून की सुबह दुकान पहुंचने पर चैनल खुला और ताला टूटा पाया गया। अंदर का सामान बिखरा था, और लगभग 90 हजार रुपए नगदी व किराना सामान चोरी हो गई थी। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज से एक संदिग्ध युवक की पहचान हुई। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने सोनी मोहल्ला थाना गांधीनगर निवासी 19 वर्षीय शिवांग चौहान को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी ने चोरी करना स्वीकार किया, जिसके कब्जे से 3,620

नगद और चोरी का कुछ सामान बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया।

गाजा-इजरायल युद्ध : इस्राइली हमलों में बच्चों सहित 30 की मौत

दीर अल-बलाह, 13 जुलाई 2025। गाजा पट्टी में रविवार को इस्राइली हमलों में 30 लोग मारे गए, जिनमें छह बच्चें भी शामिल हैं। ये लोग पानी भरने के लिए एक जगह पर जमा हुए थे। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह हमले ऐसे समय में हुए हैं, मध्यस्थ संघर्षविराम के प्रयासों में जुटे हुए हैं। इस्राइल और हमास के बीच 21 महीने से जारी युद्ध को रोकने और कुछ इस्राइली बंधकों को छुड़ाने के लिए जारी बातचीत में अब तक कोई खास प्रगति नहीं हुई है। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पिछले हफ्ते वॉशिंगटन में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के साथ इस समझौते पर चर्चा करने पहुंचे थे। हालांकि,बातचीत में एक नई अड़चन सामने आ गई। यह अड़चन संघर्षविराम के दौरान इस्राइली सैनिकों की तैनाती को लेकर है, जिससे नए समझौते की संभावनाओं पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस्राइल दक्षिण गाजा के एक महत्वपूर्ण इलाके में अपने सैनिकों की तैनाती बनाए रखना चाहता है। उसका कहना है कि यह इलाका रणनीतिक रूप से जरूरी है। लेकिन हमास का मानना है कि इस इलाके में सैनिकों की मौजूदगी की जिद यह संकेत देती है कि इस्राइल अस्थायी युद्धविराम के बाद दोबारा युद्ध शुरू करने की योजना बना रहा है। इस्राइल का कहना है कि वह युद्ध तभी खत्म करेगा,जब हमास पूरी तरह से आत्मसमर्पण कर दे, अपने हथियार छोड़ दे और देश से बाहर चला जाए। लेकिन हमास ऐसा करने से इनकार कर रहा है। हमास का कहना है कि वह बचे हुए 50 बंधकों को रिहा करने को तैयार है (जिनमें से आधे से भी कम के जिंदा होने की बात कही जा रही है), लेकिन इसके बदले में वह युद्ध पूरी तरह खत्म करने और इस्राइली सेना की पूरी तरह वापसी की मांग कर रहा है। गाजा में जारी युद्ध के बीच वेस्ट बैंक (पश्चिमी तट) में भी तेजी से हिंसा बढ़ी है। रविवार को वहां दो फलस्तीनियों के जनाजे निकाले गए,जिनमें एक 20 वर्षीय फलस्तीनी-अमेरिकी युवक सैफुल्लाह मुसलत भी शामिल था। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक,उसकी मौत अवैध इस्राइली यहूदी बस्तियों के निवासियों के हमले में हुई थी। गाजा के अल-अउदा अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि नुसैरत में पानी भरने के एक स्थान पर इस्राइली हमले के बाद उन्हें 10 शव मिले हैं। अस्पताल के अनुसार, इनमें छह बच्चे भी शामिल थे। यहां के निवासी रमजान नासर ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि रविवार की सुबह करीब 20 बच्चे और 14 वयस्क पानी भरने के लिए कतार में लगे थे। जब हमला हुआ,तो सभी भागे और कुछ लोग जमीन पर गिर गए। उन्होंने कहा कि फलस्तीनी इस इलाके से पानी ले जाने के लिए करीब दो किलोमीटर पैदल चलते हैं। मध्य जावैदा शहर में अल-अक्सा शहीद अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि एक घर पर इस्राइली हमले में नौ लोग मारे गए, जिनमें दो महिलाएं और तीन बच्चे शामिल हैं। इस्राइली सेना ने कहा कि उसने पिछले एक दिन में 150 से अधिक लक्ष्यों पर हमला किया है। इस्राइल हमास को नागरिकों के हताहत होने का दोषी ठहराता है, क्योंकि यह चरमपंथी समूह आबादी वाले इलाकों में सक्रिय है।

ईरान के राष्ट्रपति इजराइली हमले में हुए थे घायल

मीटिंग के दौरान इजराइली सेना ने 6 मिसाइलें दागीं,इमरजेंसी गेट से भागे

तेहरान, 13 जुलाई 2025। ईरान और इजराइल के बीच पिछले महीने 12 दिनों तक जंग हुई थी। इस दौरान 16 जून को इजराइल के हमले में ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान घायल हो गए थे। ईरानी न्यूज एजेंसी फार्स ने इसकी जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल ने 16 जून को तेहरान के पश्चिमी हिस्से में एक इमारत पर 6 मिसाइलों से हमला किया था। उस समय इमारत में देश की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी कैबिनेट की बैठक चल रही थी। बैठक में राष्ट्रपति पजशकियान के साथ ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ, न्यायपालिका प्रमुख गुलाम-हुसैन मोहसेनी एजेई और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। हालांकि ये सभी इमारत की निचली मंजिल में मौजूद थे, इसलिए हमले का उन पर बहुत असर नहीं हुआ। लिहाजा सभी इमरजेंसी गेट से भागने में कामयाब रहे।

दम घोंट कर राष्ट्रपति को मारना चाहता था इजराइल

रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल,राष्ट्रपति पजशकियान को नसरल्लाह की तरह मारना चाहता था। इजराइल ने 1 अक्टूबर 2024 को बेरूत में नसरल्लाह के सीक्रेट बंकर पर हमला किया था। वह हिजबुल्लाह के टॉप कमांडरों के साथ मीटिंग कर रहे थे। 64 साल के नसरल्लाह की जहरीले धुएं में दम घुटने से मौत हो गई थी। इस बार भी इजराइली मिसाइलों ने खास तौर पर इमारत के आने-जाने के रास्तों और वेंटिलेशन सिस्टम को निशाना बनाया था, ताकि अंदर मौजूद लोगों को बाहर निकलने से रोका जा सके और उन्हें दम घोंटू माहौल में फंसाया जा सके। हमले के बाद इमारत की बिजली भी काट दी गई, लेकिन वहां पहले से बनाए गए एक इमरजेंसी गेट की मदद से राष्ट्रपति और बाकी बड़े अधिकारी बाहर निकलने में सफल रहे। भागने के दौरान राष्ट्रपति पजशकियान के पांव में चोट लग गई थी। वहीं, दूसरे अधिकारियों को भी हल्की चोटें आईं।

इजराइल मुझे मारने में नाकाम रहा

कुछ दिन बाद, राष्ट्रपति पजशकियान ने 7 जुलाई को दिए एक इंटरव्यू में यह साफ तौर पर कहा था कि इजराइल ने उन्हें मारने की कोशिश की थी,लेकिन नाकाम रहा। राष्ट्रपति ने अमेरिकी

पत्रकार टकर कार्लसन को बताया कि इजराइली सेना ने जासूसों की मदद से उस जगह की जानकारी हासिल की, जहां वे बैठक कर रहे थे और फिर उसी जगह बमबारी की।

इजराइल को जानकारी कैसे मिली,इसकी जांच

फार्स एजेंसी ने बताया कि इजराइल के पास उस इमारत के बारे में जो सटीक जानकारी थी, वह बहुत चौंकाने वाली है। इसलिए ईरानी अधिकारी अब यह जांच कर रहे हैं कि कहीं इजराइल को अंदर से कोई जानकारी तो नहीं मिली। हालांकि रिपोर्ट में हमले की सटीक जगह नहीं बताई गई, लेकिन ईरान इंटरनेशनल नाम की एक स्वतंत्र मीडिया संस्था ने यह दावा किया कि 16 जून को तेहरान के शाहरक-ए-गर्ब इलाके में इमारत पर हमला हुआ था। उसी संस्था की एक और रिपोर्ट में ढ्ढक्रत्रष्ट के जनरल मोहसेन रेजाई के हवाले से बताया गया कि इजराइल ने वास्तव में उस स्थान पर हमला किया था जहां राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक चल रही थी। हालांकि इसमें किसी भी अधिकारी को गंभीर नुकसान नहीं पहुंचा। इजराइल और ईरान के बीच चले 12 दिन लंबे युद्ध में इजराइल ने कई टॉप ईरानी सैन्य कमांडरों और वैज्ञानिकों को मार गिराया था।

स्पेन के कई शहरों में भारी बारिश से बाढ़

गाड़ियां बही,दो लोग लापता...मदद के लिए सेना तैनात

मैड्रिड, 13 जुलाई 2025। स्पेन हाल ही में भीषण गर्मी से जूझ रहा था, लेकिन अब बाढ़ की चपेट में है। यहां भारी बारिश और DANA नाम के तूफान के कारण बाढ़ आ गई है। स्पेन की क्वील्स नदी, लोब्रेगाट नदी और एल कार्डेनर नदी उफान पर है। वहीं, स्पेन के बार्सिलोना (कैटेलोनिया) में बाढ़ से दो लोग लापता हो गए। स्पेन के शहर ताराजोना में 11 जुलाई को एक घंटे में 100 मिमी (3.9 इंच) बारिश दर्ज की गई, जिसके कारण सड़कों पर पानी भर गया। कई कारें पानी में बह गईं और घरों-इमारतों को भारी नुकसान हुआ। प्रभावित इलाकों में मदद के लिए सेना को तैनात किया गया। हालांकि, अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

मौसम एजेंसी ने बारिश की चेतावनी दी : स्पेन की मौसम एजेंसी AEMET ने उत्तरी और पूर्वी स्पेन में 30-40 मिमी प्रति घंटा बारिश और ओलों की चेतावनी दी। यह मौसमी बदलाव हीट डोम के कारण था, जिसने यूरोपीय देशों में तापमान को 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा दिया था। जून में स्पेन का पारा 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। स्पेन में पिछले साल बाढ़ से 205 लोगों की मौत हुई थी स्पेन में नवंबर 2024 में भीषण बाढ़ आई थी। जिसमें कम से कम 205 लोगों की मौत हो गई थी। स्पेन के वैलेंसिया में 29 अक्टूबर को सिर्फ आठ घंटे में 12 इंच बारिश हुई थी। इतनी बारिश सालभर में होती है। भारी बारिश से अचानक बाढ़ आ गई थी, जिससे कई लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने का मौका नहीं मिला पाया। स्पेन के हालिया इतिहास में यह पहली बार था, जब इतने लोगों की बाढ़ से मौत हो गई थी। BBC के मुताबिक, स्पेन में इससे पहले साल 1973 में सबसे बड़ी बाढ़ आई थी। तब 150 लोगों की मौत हुई थी। उससे पहले 1957 में वैलेंसिया शहर में भीषण बाढ़ आई थी, इसमें 81 लोगों की मौत हो गई थी।

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई के लिए पीटीआई ने शुरू किया आंदोलन, 20 कार्यकर्ता गिरफ्तार

लाहौर, 13 जुलाई 2025। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई के लिए 'फ्री इमरान खान मूवमेंट' की शुरुआत की है और पांच अगस्त तक देशव्यापी आंदोलन की योजना बनाई है। पार्टी का कहना है कि पुलिस प्रदर्शन को रोकने के लिए कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी कर रही है, जबकि सरकार इससे इनकार कर रही है। पीटीआई नेताओं ने सेना पर देश को नुकसान पहुंचाने और सरकार पर दमनकारी नीति अपनाने का आरोप लगाया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल से रिहाई की मांग को लेकर अनौपचारिक रूप से एक आंदोलन शुरू किया है। इसे इमरान खान को आजाद करो (फ्री इमरान खान मूवमेंट) दिया गया है। पार्टी ने रविवार को बताया कि पुलिस ने प्रदर्शन में शामिल हो रहे कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। पार्टी ने पांच अगस्त तक आंदोलन करने की घोषणा की है।

अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं इमरान खान : खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री और पीटीआई नेता अली अमीन गांडापुर शनिवार देर रात पार्टी के अन्य नेताओं के साथ लाहौर पहुंचे और उन्होंने इमरान खान को रिहा कराने के लिए आंदोलन शुरू करने की घोषणा की। क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान खान (72 वर्षीय) अगस्त 2023 से जेल में हैं, जहां उन पर कई मामलों में मुकदमे चल रहे हैं।

पांच अगस्त तक आंदोलन की योजना : पीटीआई पांच अगस्त तक देशभर में एक बड़े आंदोलन करने की तैयारी कर रही है, ताकि शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार और सेना पर इमरान खान को रिहा करने का दबाव बनाया जा सके। गंडापुर और पार्टी के प्रमुख नेता लाहौल के रायवंड इलाके में एक फार्म हाउस में ठहरे हैं और अपने प्रदर्शन की योजना को अंतिम रूप दे रहे हैं। यह फार्म हाउस शरीफ परिवार के आवास के पास ही है।

पीटीआई के 20 कार्यकर्ता गिरफ्तार

पुलिस ने लाहौर में विभिन्न जगहों पर अपने नेताओं का स्वागत करने आए 20 पीटीआई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। पीटीआई के एक प्रवक्ता ने कहा कि पंजाब पुलिस ने उनके कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा, पिछले कुछ दिनों से पुलिस पंजाब खासकर लाहौर में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के घरों पर छापेमारी कर रही है, ताकि उन्हें प्रदर्शन में शामिल होने से रोका जा सके। हालांकि, पंजाब पुलिस के प्रवक्ता ने किसी भी कार्यकर्ता की गिरफ्तारी से इनकार किया है।

लाहौर से सफल होता है कोई भी आंदोलन : हालांकि, पुलिस सूत्रो ने प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया को बताया कि लाहौर और अन्य जगहों पर 20 कार्यकर्ता गिरफ्तार किए गए हैं। लाहौर में पार्टी नेताओं से बात करते हुए गंडापुर ने कहा, लाहौर से शुरू हुआ कोई भी आंदोलन कामयाब होता है और यह आंदोलन भी देशभर में सफल होगा। उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से कहा कि वे पांच अगस्त तक आंदोलन को चरम पर ले जाएं।

सेना को नहीं मार्शल लॉ लगाने का पछतावा : उन्होंने कहा, सेना कई दशकों से पाकिस्तान पर शासन कर रही है और कई बार मार्शल लॉ लगा चुकी है, जिससे देश को नुकसान हुआ है। इस बार सेना ने एक नई तरह का मार्शल लॉ लगाया है, जिसकी आधिकारिक तौर पर घोषणा नहीं की गई है, लेकिन हर तरह की ताकत औ दबाव की नीति चल रही है। उन्होंने इससे देश को तबाह हुआ है, लेकिन दोषियों को अब भी पछतावा नहीं है। गंडापुर ने कहा, पीटीआई के नेता और कार्यकर्ता हजारों प्राथमिकियों (एफआईआर) का सामना कर रहे हैं। पार्टी इमरान खान, उनकी पत्नी और अन्य नेताओं की रिहाई के लिए फिर बड़ा आंदोलन करने को तैयार है।

दमन कर रही पंजाब सरकार : वहीं, पीटीआई के अंतरिम अध्यक्ष गौहर अली खान ने कहा कि पंजाब सरकार बीते दो वर्षों से उनकी पार्टी के लोगों का दमन कर रही है। उम्मीद है कि उन्हें समझ आएगी और मरियम नवाज (पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री) सरकार सही फैसले लेगी। वहीं, पंजाब की सूचना मंत्री अज्मा बुखारी ने कहा कि गंडापुर और उनकी पार्टी अराजकता के समर्थक हैं। उन्होंने दावा किया कि गंडापुर का प्रांत खुद जल रहा है और वह पंजाब पर कब्जा करने लाहौर आए हैं। बेहतर होगा कि गंडापुर खैबर पख्तूनख्वा वापस जाएं और अपने प्रांत के लिए लोगों के कल्याण के लिए काम करें।

संविदा कर्मचारी के झुलसने के मामले में बिजली विभाग के कर्मचारी पर मामला हुआ दर्ज

सनवाल, 13 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के थाना सनावल पुलिस ने बिजली पावर हाउस सनावल में कार्यरत संविदा कर्मचारी तबारक हुसैन के झुलसने की घटना में गंभीर लापरवाही बरतने वाले बिजली विभाग के कर्मचारी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा। जानकारी के अनुसार वकील अंसारी, निवासी ग्राम पचावल,थाना सनावल ने दिनांक 11 जुलाई को थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका बेटा तबारक हुसैन (25 वर्ष),जो बीते तीन वर्षों से बिजली पावर हाउस सनावल में संविदा पर कार्यरत है,दिनांक 22 मई 2025 को दोपहर 12:00 बजे जेई दानिस राजा के कहने पर ट्रांसफार्मर के पास कार्य करने गया था।घटना के दौरान, तबारक हुसैन ने बिजली पोल पर चढ़ने से पूर्व बिजली विभाग के कर्मचारी संदीप ठाकुर से अनुमति ली थी। लेकिन उसी दौरान संदीप ठाकुर द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना व चेतावनी के लापरवाहीपूर्वक बिजली सप्लाई चालू कर दी गई, जिससे तबारक हुसैन गंभीर रूप से झुलस गया। उसे चेहरे, गले, पेट, प्राइवेट पार्ट्स और पैरों पर गंभीर जलन आई, और इलाज के दौरान दोनों हाथ कोहनी के नीचे से काटने पड़े। शिकायत पर थाना सनावल में अपराध क्रमांक 37/2025 धारा 125(बी),110 भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान गवाहों एवं पीड़ित के बयान लिये गए,तथा आरोपी संदीप ठाकुर पिता लक्ष्मी प्रसाद(24 वर्ष), निवासी जौराही, थाना रघुनाथ नगर को उसके निवास स्थान से हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार किया कि घटना के समय वह ड्यूटी पर था तथा तबारक हुसैन द्वारा अनुमति लेने के बावजूद उसने बिजली चालू कर दी थी।आरोपी के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर उसे 13 जुलाई को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

विधायक की पहल से एक दर्जन से अधिक गांव के ग्रामीणों को अंधेरे से मिली मुक्ति,कुन्नी सब स्टेशन में लगा बड़ा ट्रांसफार्मर

सरगुजा, 13 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के लुण्ड्रा विधानसभा क्षेत्र के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत कुन्नी सब स्टेशन में ट्रांसफार्मर के खराब होने से आए दिन विद्युत आपूर्ति ठप जाने से एक दर्जन से अधिक वनांचल गांव के ग्रामीण अंधेरे में जीवन यापन करने के मजबूर थे। जानकारी के मुताबिक 12 जुलाई दिन शुक्रवार को ट्रांसफार्मर खराब हो जाने से एक दर्जन से अधिक गांव में 24 घंटे विद्युत आपूर्ति ठप हो गई थी जिससे ग्रामीणों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था।

महिला के साथ बलपूर्वक अनाचार करने वाला आरोपी हुआ गिरफ्तार

बलरामपुर, 13 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के थाना कोतवाली पुलिस द्वारा एक महिला के साथ बार-बार जबरन बलात्कार करने एवं मारपीट करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया। जानकारी के अनुसार 12 जुलाई को पीड़िता अपने पति के साथ थाना कोतवाली बलरामपुर पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि ग्राम सोनहरा निवासी सुखलाल द्वारा उसे अकेला पाकर दिनांक 09/03/2025 से 05/07/2025 तक कई बार जबरदस्ती बलात्कार किया गया। आरोपी ने घटना किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी थी।इसके बाद दिनांक 09/07/2025 को भी आरोपी ने फिर से बलात्कार करने की कोशिश की, जिसमें पीड़िता के विरोध करने पर उसके साथ मारपीट कर दांत से काटा और फरार हो गया। पीड़िता ने समाज में बदनामी एवं धमकी के डर से पहले किसी को जानकारी नहीं दी, लेकिन बार-बार शोषण से परेशान होकर उसने साहस जुटाकर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई।पीड़िता की शिकायत पर थाना बलरामपुर में अपराध क्रमांक 98/25 धारा 64(2)(एम), 351(3) BNS के तहत मामला दर्ज कर तत्काल विवेचना प्रारंभ की गई। पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी सुखलाल पिता मोहन साय (25 वर्ष) निवासी ग्राम सोनहरा,जिला बलरामपुर को उसके घर से हिरासत में लेकर विधिवत गिरफ्तार किया गया एवं न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया।

सरगुजा में नेटबॉल चैंपियनशिप के लिए खिलाड़ियों का ट्रायल संपन्न

अंबिकापुर, 13 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

आगामी राष्ट्रीय नेटबॉल चैंपियनशिप 2025-26 के लिए सरगुजा जिला नेटबॉल संघ द्वारा पुरुष एवं महिला वर्ग का ट्रायल गांधी स्टेडियम स्थित बास्केटबॉल ग्राउंड में आयोजित किया गया। यह ट्रायल नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में हुआ, जिसमें सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया, बलरामपुर व जशपुर जिलों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। राष्ट्रीय कोच व संभाग प्रभारी राजेश प्रताप सिंह ने खिलाड़ियों को नेटबॉल की तकनीकी जानकारी व रणनीतियों से अवगत कराया। संघ के सचिव रजत सिंह ने बताया कि चयनित खिलाड़ी हरियाणा में होने वाली चौथी फास्ट-5 सीनियर राष्ट्रीय नेटबॉल चैंपियनशिप एवं द्वितीय सीनियर राष्ट्रीय मिश्रित नेटबॉल चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम में नगर निगम अंबिकापुर की एमआईसी मेम्बर प्रियंका गुप्ता एवं विकास गुप्ता भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। आयोजन से सरगुजा संभाग में नेटबॉल के प्रति युवाओं की बढ़ती रुचि और प्रतिभा का प्रदर्शन देखने को मिला।

किराना दुकान में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अंबिकापुर, 13 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना क्षेत्र के फुंदुलडिहारी चौक स्थित तिरुपति स्टोर्स में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया है। दुकान संचालक कमलेश कुमार वर्मा ने 25 जून को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 23 जून की सुबह दुकान पहुंचने पर चैनल खुला और ताला टूटा पाया गया। अंदर का सामान बिखरा था, और लगभग 90 हजार रुपए नगदी व किराना सामान चोरी हो गई थी। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज से एक संदिग्ध युवक की पहचान हुई। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने सोनी मोहल्ला थाना गांधीनगर निवासी 19 वर्षीय शिवांग चौहान को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

मैनपाट वन परीक्षेत्र में हाथियों का उत्पात जारी,तीन परिवार हुए बेघर

अंबिकापुर, 13 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

मैनपाट वन परीक्षेत्र के विभिन्न इलाकों में हाथियों के उत्पात जरारी है। बीते 24 घंटों में हाथियों के दल ने तीन कच्चे मकानों को ध्वस्त कर दिया है। जिससे तीन परिवार बेघर हो गए हैं। मैनपाट के ग्राम घटगांव और बरडाड़ के लोग ज्यादा प्रभावित हैं। यहां के ग्रीमण दहशत में रातें बिता रहे हैं। वन विभाग के अनुसार तीन अलग-अलग क्षेत्रों में हाथियों का एक बड़ा दल लगातार विचरण कर रहा है। हाथियों ने खेतों में लगे फसल रौंदने के साथ ही घरों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। सबसे अधिक नुकसान उन परिवारों को हुआ है जो कच्चे मकानों में रह रहे थे। हाथियों के हमले में उनका आशियाना पूरी तरह उजड़ गया। वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रभावित परिवारों को पास के आंगनबाड़ी भवन और कुछ पक्के मकानों में अस्थाई रूप से शिफ्ट किया है। विभाग की ओर से इन्हें खाद्य सामग्री और अन्य जरूरी वस्तुएं भी मुहैया कराई गई है। वन विभाग लगातार हाथियों की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है। गजराज वाहन के माध्यम से हाथियों को बस्तियों की ओर आने से रोकने की कोशिश की जा रही है। वन विभाग ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की हिदायत दी है।

पुल टूटने के बाद वैकल्पिक व्यवस्था पर क्या सूरजपुर कलेक्टर का आदेश व निर्देश हवा हवाई था किसी ने भी अमल नहीं किया?

गोबरी नदी पर स्थित पुल को टूटे 13 दिन से ऊपर हो गए पर सूरजपुर प्रशासन वैकल्पिक व्यवस्था नहीं बना पाया

जिस दिन पुल टूटा था उसे दिन सिर्फ औपचारिकता निभाने के लिए कलेक्टर व मंत्री के प्रतिनिधि पहुंचे थे,आश्वासन दिया पर,आश्वासन भी आश्वासन ही रह गया?

गोबरी नदी पुल के निरीक्षण पर मंत्री प्रतिनिधि,कलेक्टर और जनप्रतिनिधियों ने दिया आश्वासन वैकल्पिक मार्ग बनाने का पर अभी तक कोई सुगबुगाहट नही...

जिन्हें सूरजपुर कलेक्टर ने जिम्मा सौप वह भी हाथ खड़े करके बैठे हैं क्या जिले में कलेक्टर से बड़े हो गए है अधिकारी?

-ओंकार पांडेय-

सूरजपुर, 13 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

मानसून के सक्रियता के बाद लगातार हो रही बारिश के बीच सूरजपुर कोरिया के सरहद से गुजरने वाली गोबरी नदी पर बना पुल 20 साल में ही उपयोग विहीन हो गया,कई गांव का संपर्क टूट गया,यह पुल 20 साल पहले बना था और इस पुल को टूटे तकरीबन 12 दिन हो चुके हैं पर इस पुल से जुड़ने वाले गांव के आवागमन के लिए कोई भी वैकल्पिक व्यवस्था अभी तक नहीं बन पाई है,लगातार बारिश के चलते ग्राम खुटरापारा डबरीपारा स्थित गोबरी नदी पर बना पुल पिछ्ले महीने की 30 जून को पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे डबरीपारा, खुटरापारा,भैरव पारा,गंगोटी,शिवपुर,बांसापारा,भंवराही,शिवप्रसादनगर सहित दर्जनों गांवों का जिला मुख्यालय सूरजपुर और कोरिया से संपर्क पूरी तरह टूट गया है। स्कूल सहित कई आवागमन बाधित हो गए जिसे लेकर अब दिक्कतें बढ़ती जा रही हैं, प्रशासन ने तत्काल ही विकल्प व्यवस्था के तहत पुल बनाने की बात कही थी जो आज 12 दिन बाद भी नहीं बना और ना ही इसे लेकर कोई सुगबुगाहट हो रही है, वहीं इस मार्ग से गुजरने वाले लोग काफी परेशान हैं खास कर स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए समस्याएं बढ़ गई हैं वहीं नौकरी पर जाने वाले कर्मचारियों सहित रोजमर्रा की जरूरत के लिए इस रास्ते से आने वालों को अब कई किलोमीटर का सफर अतरिक्त तय करना पड़ा रहा है, पर प्रशासन है कि आश्वासन देकर बैठ गई है ऐसा लग रहा है कि उन्हें इन सब बातों से कोई लेना-देना नहीं यह उनकी जिम्मेदारी ही नहीं है वहीं क्षेत्र की विधायक व मंत्री भी चुप्पी साधे बैठे हैं।

स्थिति तो यह है कि स्थानीय विधायक व मंत्री को जहां निरीक्षण करना चाहिए वहां पर उनके प्रतिनिधि निरीक्षण करके जिम्मेदारी निभाने की बात कर रहे हैं पर निरीक्षण करना ही क्या जिम्मेदारी है या फिर उसके लिए व्यवस्था बनाना आवश्यक है, बता दें कि इस आपदा की गंभीरता को देखते हुए कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर प्रसाद राजवाड़े ने क्षेत्रीय दौरे में स्थल का निरीक्षण किया था, यह प्रतिनिधि के साथ-साथ यह उनके पति भी हैं पर क्या अपने मंत्री पत्नी से इस समस्या को जल्द से जल्द हल करवा पाएंगे? वैसे निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि शीघ्र ही पुल का नवीन इस्टीमेट बनवा कर स्वीकृति दिलाई जाएगी और गुणवत्ता पूर्ण नवनिर्माण कार्य भी जल्द प्रारंभ होगा। और जब तक पुल का निर्माण नहीं हो जाता वैकल्पिक मार्ग गंगोटी शिवपुर से आवागमन हेतु रोड में गिट्टी मुरूम आवश्यक कार्य कराया जाने अधिकारियों को निर्देशित भी किया था।

वैकल्पिक व्यवस्था वाली सड़क की दुर्दशा

कलेक्टर की निरीक्षण वाली तस्वीर

कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के पति का निरीक्षण वाला तस्वीर

घटती-घटना में प्रकाशित खबर

कलेक्टर ने भी किया निरीक्षण, वैकल्पिक मार्ग के लिए दिया निर्देश

घटना के तुरंत बाद सूरजपुर कलेक्टर एस जयवर्धन ने भी पुल टूटने की सूचना पर खुद मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और सेतु विभाग के अधिकारियों को वैकल्पिक मार्ग गंगोटी (शिवपुर) को जल्द तैयार करने के निर्देश दिए।लेकिन आज तक अधिकारियों के द्वारा ना रोड देखने आए और ना ही मरम्मत के लिए कोई ठोस कदम उठाया गया इससे यह पता चलता है कि अधिकारी कलेक्टर के निर्देशों का कितना पालन कर रहे है,कलेक्टर ने भरोसा दिलाया कि नवीन पुल निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजा जा रहा है और जल्द ही वैकल्पिक मार्ग के लिए अस्थायी समाधान की भी व्यवस्था की जाएगी। लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही है कार्य नहीं हुआ,पुल टूटने से ग्रामीणों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मरीजों, स्कूली बच्चों और किसानों को रोजमर्रा के कामों में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जनपद पंचायत भैयाथान के सीईओ, एसडीओ और इंजीनियर सहित अधिकारी गंगोटी मार्ग का निरीक्षण कर जीरा-गिट्टी डालकर अस्थायी मार्ग बनाने को निर्देशित कर चुके हैं। लेकिन आज तक उस दिशा में कोई ठोस कार्य प्रारंभ नहीं हो पाया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि वैकल्पिक मार्ग निर्माण में तत्परता दिखाई जाए ताकि आवागमन जल्द सामान्य हो सके।

एक कच्ची सड़क को वैकल्पिक मार्ग बनाने का आश्वासन भी फेल

पुल टूट जाने के बाद एक कच्ची सड़क को वैकल्पिक मार्ग बनाने का आश्वासन दिया गया था वह कच्ची सड़क काफी खराब थी उसमें मुरूम स्टोन डस्ट डालकर चलने योग बनाने की बात कही गई थी ताकि इस मार्ग से लोग आवागमन करके समस्याओं से निजात मिल सके पर ऐसा होता दिख नहीं, कलेक्टर के आदेश निर्देश भी अधिकारी एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल दिए,वहीं कैबिनेट मंत्री के प्रतिनिधि व पति भी आकर अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर फोटो खिंचवाकर अपनी गंभीरता दिखाकर चलते बने, अब समस्या जिसकी है वह झेलते रहे और समस्याओं को वह अपना हिस्सा बनाले, क्योंकि यह समस्या इतनी जल्दी दूर होने वाली नहीं है क्योंकि दूर करने वाले ही इस जिम्मेदारी से दूर बैठे हैं।

40 श्रमिकों में होंगे एक मेट महिलाओं को भी मिलेगी समान प्राथमिकता

पंच संघ ने पहले ही की थी मांग,नव पदस्थ महिला सीईओ ने जारी किया आदेश

मनरेगा में एक साल के लिए तैयार होगा मेटो का पैनल एक वर्ष का होगा कार्यकाल

-राजन पाण्डेय-

कोरिया, 13 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) में मेट की भर्ती के लिए, ग्राम पंचायत स्तर पर आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। मेट का मुख्य काम मनरेगा के तहत काम करने वाले मजदूरों की निगरानी करना और कार्यों का प्रबंधन करना है। मेट के चयन में महिलाओं को प्राथमिकता दी जाती है और उनका चयन ग्राम सभा द्वारा किया जाता है।ग्राम सभा द्वारा मेट का चयन किया जाता है, जिसमें महिला आवेदकों को प्राथमिकता दी जाती है।ग्राम पंचायत में मेट का एक पैनल बनाया जाता है, जिसमें कम से कम लगभग 5 और आवश्यकता अनुसार अधिक भी मेटों के नाम होते हैं चयनित मेटों को मनरेगा से संबंधित कार्यों, जैसे मस्टर रोल, मजदूरों के काम की माप, और सामग्री की गुणवत्ता की जांच आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है।

अक्सर आती रहती है शिकायतें

मनरेगा में,मेटों का मुख्य काम श्रमिकों को काम का आवंटन करना और कार्यों की माप करना है। उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होता है कि श्रमिक काम कर रहे हैं और उनकी उपस्थिति सही ढंग से दर्ज की जा रही है। हालांकि,कुछ मेट अनियमितताएं करते हैं,जिनमें मास्टर रूल में फर्जी हाजिरी मजदूरों के उपस्थिति में हेरफेर मेटों द्वारा श्रमिकों की ऑनलाइन ऑनलाइन उपस्थिति में हेरफेर किया जाता है, जिससे श्रमिकों को काम न करने पर भी मजदूरी मिल जाती है और कई स्थानों पर कार्यस्थल में जितनी हाजिरी लगी होती है उतने मजदूर होते नही है, इस तरह की आम शिकायतें अक्सर बनी रहती है जिनके निराकरण नहीं होते,उन्हें समस्याओं के मद्देनजर जनपद पंचायत सोनहत ने संज्ञान लिया है।

पंच संघ ने आदेश का किया स्वागत

पंच संघ सोनहत के अध्यक्ष प्रेम सागर तिवारी ने सीईओ सोनहत के इस आदेश का स्वागत करते हुए कहा कि उक्त निर्णय बहुत ही शानदार है हमारा संगठन इसके लिए पहले से ही मांग कर रहा था इस आदेश के जारी होने से कई लोगो को खास कर महिलाओं को समान प्राथमिकता के आधार पर मौका मिलेगा। साथ ही वर्षो से पदों पर जमे और अनियमितता को अंजाम दे रहे मेटो की छुट्टी होगी । अध्यक्ष पंच संघ ने कहा कि आदेश जारी होने के बाद से इसका कड़ाई से पालन होना चाहिए हालांकि अभी तक ऐसा हुआ नही है लेकिन इसका कड़ाई से पालन होना चाहिए।

नव पदस्थ महिला सीईओ ने जारी किया आदेश

जारी आदेश में कहा गया है कि जिले के अलग अलग ग्राम पंचायतों से मेंटों द्वारा लगातार अपने दायित्वो के निर्वहन में लापरवाही एवं मनमानी करने की शिकायत जिला एवं जनपद स्तर पर प्राप्त हो रही है। जांच की कार्यवाही में संज्ञान में आया है कि कुछ पंचायतों में 01 वर्ष से अधिक समय से कार्यरत मेटों से अब भी कार्य लिया जा रहे है,जिससे उनके द्वारा मनमानी एवं कार्यों में अनियमितता करने की शिकायत पंचायतों से हो रही है। उक्त कृत्य मनरेगा प्रावधानों एवं अधिनियम के विपरीत है। राज्य कार्यालय के निर्देशानुसार जिले एवं जनपद से पूर्व में भी 50 प्रतिशत महिला मेटों को नियोजित करने के निर्देश दिए गये हैं परन्तु उसका पालन कड़ाई से शत-प्रतिशत ग्राम पंचायतों में नही किया जाना परिलक्षित हुआ है। वर्तमान में आपको पुनः निर्देशित किया जाता है कि ऐसी सभी पंचायतें एवं मनरेगा क्रियान्वयन एजेंसियां जिनके यहां कार्यों में नियोजित मेट 01 वर्ष की अधिक अवाधि से कार्यरत हैं उन्हे तत्काल मेट के दायित्वों से मुक्त कर मेट नियुक्ति की नवीन गाइडलाइन का पालन करते हुए महिला मेटों को प्राथमिकता देकर नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण कराये जावे। राज्य कार्यालय से मेटों की नियुक्ति हेतु सचिव छग शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग,मंत्रालय रायपुर छग के द्वारा संदर्भित पत्र के माध्यम से महात्मा गांधी नरेगा योजना अंतर्गत निर्माण कार्यों में मेट प्रणाली का पालन करते हुए मेटों को नियोजित करने के निर्देश दिये गये हैं। छ0ग0 शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा मेंटों के चयन, नियुक्ति नियोजन एवं कार्यप्रणाली के संबंध में स्पष्ट निर्देश दिये गये हैं जिसमें प्रमुख रूप से प्रत्येक ग्राम पंचायत में मेट का एक पैनल तैयार किया जाएगा जो उसी ग्राम पंचायत का निवासी हो तथा प्रत्येक 40 श्रमिकों हेतु एक मेट रखा जायेगा जिसमें महिलाओं को भी समान प्राथमिकता दिया जावेगा। मेट पैनल का कार्यकाल 01 वर्ष (01 जनवरी से 31 दिसम्बर तक) के लिये होगा और यदि मेट द्वारा किसी प्रकार के कार्य में अनियमितताएं किये जाने पर तत्काल उसे पद से हटाते हुए दूसरे मेट को कार्य सौंपा जायेगा तथा उसे मेट पैनल से भी बाहर कर दिया जायेगा और भविष्य में कभी भी मेट के रूप में कार्य पर नहीं लिया जायेगा। मस्टर रोल की सुरक्षा का दायित्व में मेट का है जिसे कार्य स्थल अनुशासन रखते हुए मस्टर रोल में प्रतिदिन श्रमिकों की दो बार उपस्थिति दर्ज की जानी है। आदेश में सरपंच सचिवों को पुनः निर्देशित किया जाता है कि आप संदर्भित पत्र में दिये गये निर्देशों का पालन करते हुए आगामी एक माह में एक ग्राम पंचायत में एक से अधिक वर्षों से कार्यरत मेट को तत्काल प्रभाव से मेट के कार्य दायित्वों से पृथक करना सुनिश्चित करें तथा नियमानुसार एक वर्ष के लिये नवीन मेट पैनल का गठन करना सुनिश्चित करें, जिसमें 50 प्रतिशत से अधिक महिला श्रमिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए तथा उक्त मेट पैनल में से ही मेटों को कार्यों में नियोजित करना सुनिश्चित करें अन्यथा छग शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जारी निर्देशों का उल्लंघन करने पर आपके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी, जिसके जिम्मेदार सम्बंधित सचिव होंगे।

क्या सच में बैकुंठपुर के चोर तभी पकड़े जाएंगे जब जिले से बाहर भेजे गए पुलिसकर्मी फिर से जिले में वापस आएंगे?

चोरी की बढ़ती घटनाओं के साथ ही चोरों के न पकड़े जाने के कारण जिला मुख्यालय की जनता आक्रोशित,बाजार बंद की तैयारी:सूत्र

लगातार हो रही चोरी की घटनाओं के बीच शहर के मुख्य मार्ग सहित अधिकारी कर्मचारियों के बंगले भी रहे चोरों के निशाने पर

जिला मुख्यालय सहित जिले में चोरों की दहशत में लोग अब जाग जाग कर काट रहे रात

पुलिस चोरों से कोसों दूर,चोर लगातार सफल पुलिस उन्हें पकड़ने में लगातार असफल

जिले की पुलिसिंग पर उठ रहे सवाल,क्या पुलिस चोरों को पकड़ पाएगी,या चोरी की घटनाएं जारी रहेंगी?

-रवि सिंह-

कोरिया, 13 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

क्या चोरी की घटनाएं तभी रुक सकेगी जब जिले के उन पुराने पुलिसकर्मियों को पुनः जिले में वापस बुलाया जाएगा? जिन्हें पहले जिले से उनकी दोषपूर्ण कार्यप्रणाली के कारण बाहर भेजा गया था उनका तबादला किया गया था? ऐसा सवाल इसलिए खड़ा हो रहा है क्योंकि बताया जा रहा सूत्रों का दावा है कि एक जिले का ही पुलिसकर्मी जो एक प्रधान आरक्षक जिसका तबादला जशपुर हुआ है उसका उत्तराधिकारी बनकर एक प्रधान आरक्षक जिला मुख्यालय में पदस्थ हुआ है जो विभाग के उच्च अधिकारियों को यह समझना चाह रहा है कि जब तक पुराने जिले से बाहर भेजे गए पुलिसकर्मी वापस नहीं बुलाए जाएंगे शायद ही इन घटनाओं के संबंध में जिले की पुलिस सफल हो पाएगी शायद ही चोर पकड़े जाएंगे, उत्तराधिकारी प्रधान आरक्षक का ऐसा कहने के पीछे की वजह यह बताई जा रही है कि वह यह साबित करना चाह रहा है उच्च अधिकारियों के सामने की जब तक जिले से बाहर भेजे गए पुलिसकर्मी वापस नहीं आयेंगे चोरों को पकड़ पाना मुश्किल होगा नामुमकिन होगा और वह यदि वापस बुलाए गए वह अपनी काबिलियत से चोरों को तत्काल दबोच लेंगे,वैसे यह सूत्रों से मिली जानकारी है और इसकी पुष्टि घटती घटना नहीं करता लेकिन यदि यह बात सही है तो क्या यह जिले की वर्तमान पुलिसिंग के लिए एक उसकी कमजोरी दर्शाती स्थिति नहीं है? क्या जिले में योग्य और ऐसे पुलिसकर्मी समाप्त हो चुके हैं जिनकी कार्यकुशलता से और गुप्तचर माध्यमों से किसी मामले में चोरी जैसे मामलों में पुलिस सफलता प्राप्त कर सके, कोरिया जिले के जिला मुख्यालय की बात हो, जिला संयुक्त कार्यालय के पास ही स्थित सरकारी आवास की बात हो जहां उच्च अधिकारियों सहित कार्यालयीन कर्मचारी निवास करते हैं साथ ही जिले के अन्य क्षेत्रों की बात हो,आजकल सभी जगह चोरों का आतंक देखा जा रहा है और लगातार चोरी की घटनाएं घट रही हैं,एक चोरी की घटना सुलझ नहीं पा रही है वैसे ही दूसरी घट जा रही है,कुल मिलाकर जिले में चोरों का आतंक ऐसा हो चुका है कि लोग रात जाग कर काट रहे हैं और किसी तरह सुबह होने के इंतजार कर रहे हैं,इस बीच अब जिला मुख्यालय में पुनः चोरी की घटना एक दुकान में जो मुख्य मार्ग में है घटने के बाद जिला मुख्यालय के लोग आक्रोशित भी दिखाई दे रहे हैं वहीं शहर में विरोध प्रदर्शन और बाजार बंद की तैयारी की सुगबुगाहट है और पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर आंदोलन की तैयारी है। जिले के मुख्यालय मात्र का यह हाल है कि चोरों के आतंक से अब लोग विरोध प्रदर्शन के लिए बाध्य होने लगे हैं वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में अन्य जिले के क्षेत्रों में लोगों की प्रतिक्रिया भी ऐसी ही है और सभी अब कानून व्यवस्था के मामले में चिंतित नजर आने लगे हैं और खुद से ही अपने लिए सुरक्षा ही तैयारी कर रहे हैं।

आखिर चोरी के मामले में क्यों अभी तक कोरिया पुलिस खाली हांथ है...

कोरिया जिले में खासकर जिला मुख्यालय एवं आसपास के क्षेत्रों में लगातार चोरी की वारदात हो रही है,इन चोरी की घटनाओं में चोरों ने अधिकारियों के कर्मचारियों के भी आवास पर धावा बोला था और कई जगह सफल भी हुए थे,जिले की पुलिस अभी तक चोरी के मामलों में खाली हाथ है और चोर पुलिस के पहुंच से दूर हैं,ऐसा क्यों है क्या पुलिस चोरों को पकड़ पाने में सफल नहीं होने वाली,वैसे माना जा रहा है कि लगातार हो रही चोरियों की घटना में पुलिस की चुस्ती कमजोर है इसलिए चोर हावी हैं और यदि पुलिस चुस्ती दिखाएगी चोर पकड़े भी जाएंगे और दहशत उनकी कम भी होगी।

मुख्यालय में बाजार बंद की तैयारी:सूत्र

सूत्रों की माने तो जिला मुख्यालय में बाजार बंद कर विरोध दर्ज करने और चोरों को पकड़े जाने की मांग को लेकर आंदोलन की तैयारी है,शहर के लोग लगातार चोरी की घटना से खुद को असुरक्षित मान रहे हैं और उनका कहना है कि जिस तरह चोरी की घटनाएं हो रही हैं और जिस तरह चोर पुलिस की पकड़ से बाहर हैं इससे चोरों का मनोबल बढ़ा हुआ है और वह बड़ी घटनाओं को भी अंजाम दे सकते हैं । शहर में हाल ही में फिर एक चोरी की घटना घटी है जिसमें मुख्य सड़क पर स्थित एक दुकान का ताला तोड़कर चोरों ने चोरी की है।

क्यों मांग है पुराने पुलिसकर्मियों की,क्यों एक प्रधान आरक्षक पुराने पुलिसकर्मियों के लिए उच्च अधिकारियों से कर रहा है पैरवी?

लगातार घट रही चोरी की घटनाओं के बीच एक जानकारी सूत्रों से यह भी मिली कि एक प्रधान आरक्षक जो एक जिले से बाहर भेजे गए प्रधान आरक्षक का उत्तराधिकारी बनकर जिला मुख्यालय पहुंचा है के द्वारा उच्च अधिकारियों को यह समझाया जा रहा है कि जिले से बाहर भेजे गए पुलिसकर्मी जब तक वापस नहीं आयेंगे चोरों को पकड़ पाना मुश्किल है,वैसे यदि सूत्रों की बात सही है तो क्या वह प्रधान आरक्षक सही कह रहा है क्या जिले से बाहर भेजे गए पुलिसकर्मी जब तक नही आयेगे तब तक चोर नहीं पकड़े जाएंगे।वैसे जो प्रधान आरक्षक जिले से बाहर भेजे गए पुलिसकर्मियों के लिए पैरवी कर रहा है वह खुद शायद मामले में ध्यान देता मुखबिरों कि सहायता लेता कुछ हद तक सफलता जरूर मिलती,वैसे बताया जा रहा है कि उक्त प्रधान आरक्षक द्वारा केवल उन पुलिसकर्मियों के लिए पैरवी की जा रही है जो जिले से बाहर भेजे गए हैं।

क्या सूरजपुर के बसदेई में निर्मित आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय भवन भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया?

क्या विद्यालय जैसे भवन में भ्रष्टाचार को लेकर ठेकेदारों पर भी होगी दंडात्मक कार्यवाही?

भवन की दीवारों पर दरार और भवन निर्माण की अन्य अनियमिताएं साफ नजर आ रही हैं

शिक्षा गुणवत्ता की बात करने वाली सरकारें क्या केवल शिक्षकों को ही युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया से दंडित करके शिक्षा गुणवत्ता की बात करेंगी

ठेकेदार क्या शासन सत्ता में पकड़ वाला इसलिए मिल रहा उसे अभयदान?

शासकीय निर्माण कार्यों की स्थिति दिन प्रतिदिन बिगड़ती हुई,स्कूलों के मामले में भी जिम्मेदार अब भ्रष्टाचार से नहीं हटते पीछे...

ठेकदार सहित जिम्मेदार अधिकारियों की अपनी जेब भरने की होड़ में क्या नौनिहाल अब खतरे की छत के नीचे पढ़ाई करेंगे?

अब शासकीय निर्माण वाले भवन 10 सालों का भी अपना भविष्य नहीं रखते,कई स्कूल भवन उदाहरण

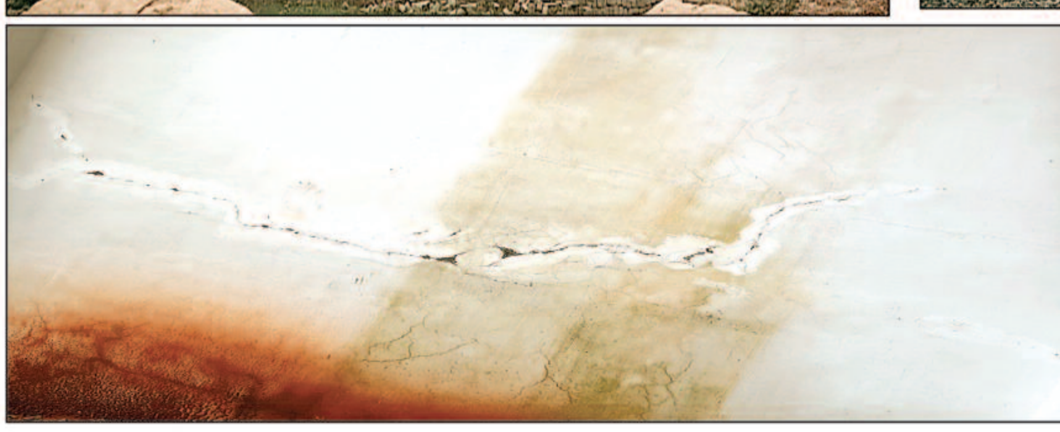

-शमरोज खान-

सूरजपुर,13 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

शिक्षा गुणवत्ता वर्ष का काल चल रहा है, प्रदेश सरकार इस वर्ष शिक्षा गुणवत्ता वर्ष मना रही है जैसा बताया जा रहा है, इसी बीच एक खबर सुरजपुर जिले के बसदेई से सामने आ रहा है जहां हाल ही में निर्मित आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय भवन अपने साथ हुए भ्रष्टाचार की कहानी बयान कर रहा है, बताया जा रहा है कि भवन बने अभी कुछ ही समय बीते हैं इस भवन में अभी तक एक भी शिक्षा सत्र नहीं लगा और भवन दरारों के साथ अपनी स्थिति बयान कर रहा है, वैसे सरकार ने शिक्षा गुणवत्ता के नाम पर हाल ही में हजारों शिक्षकों को एक तरह से दंडित करने का काम किया और उन्हें न्याय के प्रक्रिकृतिक सिद्धांतों के विपरीत जाकर ऐसे नए कानून नियम का निर्माण कर परेशान करने का काम किया जो नियम न तो पूर्व के नियम थे न ही नियम न्याय के सिद्धांतों अनुसार थे, शिक्षा गुणवत्ता के नाम पर शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया गया और उन्हें जबरन दूरस्थ क्षेत्रों में भेजा गया अन्य जिलों में भेजा गया, शिक्षकों के मामले में सरकार ने जो किया वह एक दंड प्रकिया मानी गई और इसके पीछे का कारण कुछ आर्थिक कारण माने गए जिससे सरकार जूझ रही है वहीं यदि निर्माण कार्यों के मामले में सरकार की मंशा देखी जाए केवल यही नजर आ रहा है कि निर्माण कार्यों के मामले में सरकार और जिम्मेदार मौन हैं और निर्माण कार्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहे हैं और स्कूल भवन जैसे मामले में भी नौनिहालों को ऐसे भवन के छत के नीचे पढ़ाई करने जाना पड़ा रहा है जो भ्रष्टाचार के कारण इतने कमजोर हैं कि वह कभी भी धराशाई हो सकते हैं, ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने और बच्चों के भविष्य को संवारने के लिए शासन-प्रशासन करोड़ों रुपये खर्च कर रहा है, लेकिन भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी की भेंट चढ़कर ये प्रयास जमीनी स्तर पर दम तोड़ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला छत्तीसगढ़ के सूरजपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत बसदेई में सामने आया है,जहां 91.71 लाख रुपये की लागत से निर्मित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम हायर सेकेंडरी स्कूल भवन अपनी नींव से ज्यादा भ्रष्टाचार की मजबूत नींव पर खड़ा नजर आ रहा है। यह सवाल अब भी बना हुआ है कि क्या इस खबर के प्रकाशन के बाद प्रशासन अपनी आंखें खोलेगा और भ्रष्टाचार के इस खेल पर अंकुश लगेगा..? या फिर यह मामला भी जांच के नाम पर लीपापोती का शिकार हो जाएगा...? बच्चों के सुरक्षित भविष्य के लिए यह जरूरी है कि दोषियों को बेनकाब कर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न दोहराई जाएं।

निर्माण में लापरवाही, दीवारों में दरारें

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) संभाग सूरजपुर के तहत बने इस स्कूल भवन का निर्माण कार्य शुरू से ही विवादों में रहा है। भवन की गुणवत्ता इतनी घटिया है कि दीवारों में जगह-जगह बड़ी-बड़ी दरारें पड़ चुकी हैं। निर्माण शुरू होने के महज दो साल के भीतर ही भवन की दीवारें और छतें खोखली होने का सबूत दे रही हैं। बरसात में हालात और बदतर हो गए हैं, क्योंकि दीवारों में सीपेज की समस्या उजागर हुई है, जिससे बारिश का पानी कमरों में घुस रहा है। स्थानीय ग्रामीणों और छात्रों ने इस लापरवाही पर गहरी नाराजगी जताई है। एक छात्र ने कहा,जहां सैकड़ों बच्चे पढ़ने के लिए बैठेंगे,वहां इस तरह की गुणवत्ताहीन निर्माण चिंता का विषय है। भवन कभी भी ढह सकता है। ग्रामीणों का आरोप है कि इंजीनियर और ठेकेदार की मिलीभगत से भ्रष्टाचार का खेल खेला गया है, जिसके चलते स्कूल भवन हैंडओवर होने से पहले ही दम तोड़ रहा है।

लीपापोती से छुपाई जा रही खामियां

सूत्रों के अनुसार,जब भी भवन की खामियां उजागर होती हैं,ठेकेदार इंजीनियर के कहने पर दरारों पर लीपापोती कर पेंट-पॉलिश से उन्हें छिपाने की कोशिश करता है। ग्रामीणों का कहना है कि इंजीनियर और विभागीय अधिकारी कार्यस्थल पर शायद ही कभी आते हैं। मुख्यालय में बैठकर ही ठेकेदार को क्लीनचिट दे दी जाती है। जांच के नाम पर भी औपचारिकता पूरी की जाती है। सूत्रों ने बताया कि जांच टीम के पहुंचने से पहले ठेकेदार द्वारा खामियां छिपा दी जाती हैं, और फिर जांच रिपोर्ट में सब कुछ ठीक होने का दावा कर मामले को रफा-दफा कर दिया जाता है।

भ्रष्टाचार की मजबूत नींव,खतरे में बच्चों का भविष्य

स्वामी आत्मानंद स्कूल का निर्माण गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के उद्देश्य से किया गया था, लेकिन भ्रष्टाचार की दीमक ने इसे खोखला कर दिया है। निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग और लापरवाही के चलते भवन की दीवारें और छतें पहले ही कमजोर हो चुकी हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते इसकी जांच और मरम्मत नहीं की गई, तो भविष्य में बच्चों के साथ कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

जिम्मेदारों की चुप्पी,कार्यवाही के नाम पर खामोशी

आश्चर्य की बात है कि इतने गंभीर मामले में भी जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी चुप्पी साधे हुए हैं। जब मीडियाकर्मियों ने इस मामले में पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर और एसडीओ से संपर्क करने की कोशिश की, तो उन्होंने फोन तक उठाना मुनासिब नहीं समझा। विश्वसनीय सूत्रों का कहना है कि भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने में उच्च अधिकारियों की भी मिलीभगत हो सकती है,जिसके चलते दोषी इंजीनियरों और ठेकेदारों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही।

ग्रामीणों और छात्रों की मांगः हो सख्त कार्रवाई

ग्रामीणों और छात्रों ने मांग की है कि भवन की गुणवत्ता की उच्चस्तरीय जांच की जाए और दोषी इंजीनियरों व ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। उनका कहना है कि सरकार बच्चों के भविष्य के लिए लाखों-करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन भ्रष्टाचार और लापरवाही के चलते ये प्रयास बेकार हो रहे हैं।

आस्था और विश्वास का केंद्र है सांस्कृतिक मंच,इसे पूर्ण कराना हम सबकी जिम्मेदारीःमनोज साहू

-संवाददाता-

सोनहत,13 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

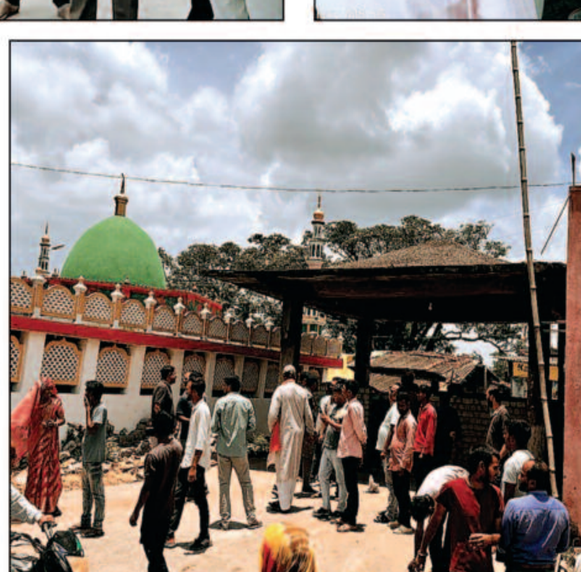

सोनहत में सांस्कृतिक मंच में हो रहे निर्माण कार्य को लेकर एक पक्ष की शिकायत के बाद प्रशासन द्वारा निर्माण कार्य पर रोक लगाए जाने सम्बन्धी निर्णय का सनातन गौरव मंच सोनहत के संयोजक मनोज साहू ने निर्माण स्थल पर विरोध किया है. इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और सामाजिक व राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारियों की भी उपस्थिति रही. सभी लोगों ने सांस्कृतिक मंच में हो रहे निर्माण कार्य का समर्थन किया है. मौके पर मौजूद अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राकेश साहू,अनुविभागीय अधिकारी पुलिस श्री श्री राजेश साहू इंस्पेक्टर श्री हेमंत अग्रवाल तहसीलदार उमेश कुशवाहा प्रशासन की ओर से मौजूद रहे. वहीँ सनातन गौरव मंच के संयोजक मनोज साहू के साथ मौके पर जिला और जनपद पंचायत के निर्वाचित प्रतिनिधि और सामाजिक संगठनों के प्रमुख भी पहुचे। निर्माण कार्य का जनपद अध्यक्ष आशा देवी, जिला पंचायत सदस्य शिव कुमारी के साथ ग्राम पंचायत के सरपंच मानमती एवं उप सरपंच राजेश गुप्ता सहित पूरी पंचायत ने समर्थन किया है।

सनातन गौरव मंच के संयोजक मनोज साहू ने कहा है कि यह स्थल सांस्कृतिक मंच है। सोनहत के लोगों के आस्था का प्राचीन समय से प्रमुख स्थल रहा है इसलिए निर्माण कार्य पर रोक लगाने से हमारी भावनाओं को चोट पहुंचेगी। हम किसी भी स्तर पर जाकर प्रशासन के रोक संबंधी निर्णय का विरोध करेंगे।

सनातन गौरव मंच के संयोजक मनोज साहू के साथ शिवकुमारी सोनपाकर राजाराम राजवाड़े रमेश तिवारी केपी सिंह आशा सोनपाकर दिपक जायसवाल सुरेश राजवाड़े बच्ची यादव भीम राजवाडे सोनिया सुमित राजवाडे आलेस्वरी गौतम रूप वती सोनपाकर राजू साहू चिराग तिवारी टिकेश्वर संजय राजवाड़े संजय मानिकपुरी जय प्रकाश अनिल गौतम अनिल जायसवाल रज्जू गुप्ता सोनू साहू देवी प्रसाद विक्की सारथी निरज पटेल उमा राजवाड़े सुरेश ठाकुर सोनू प्रजापति अनुज राजवाड़े भूवन साहू अनिल सोनपाकर राकेश तिवारी तरूण साहू प्रमोद साहू प्रदीप साहू रामकुमार साहू विरेन्द्र साहू जयकरण साहू ओमप्रकाश गुप्ता सहित भारी संख्या मे स्थानीयजन उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति में विद्यालय परिसर में गूंजे स्वागत गीत

-संवाददाता-

सूरजपुर,13 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

पीएम श्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालयमें शाला प्रवेश उत्सव 2025 का आयोजन हर्षोल्लास और गरिमामयी वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रेमनगर क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक माननीय मूलन सिंह मरावी ने शिरकत की। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी,उपाध्यक्ष शशिकांत गर्ग सांसद प्रतिनिधि राजेश्वर त्रिपाठीजिला भाजपा महामंत्री राजेश अग्रवाल नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुसुमलता राजवाड़े नगर पालिका उपाध्यक्ष शैलेष अग्रवाल, पार्षद गैबी नाथ साहू, प्रमोद तायल पारसनाथ राजवाड़े श्रीमती सावित्री,नीरज जिंदिया विकास अग्रवाल, शिवम साहू संत कुमार साहू विजय राजवाड़े विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विद्यालय में प्रवेश लेने वाले नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक, आरती एवं पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया। बच्चों को चॉकलेट,किताबें,बैग एवं स्टेशनरी वितरित की गई। कार्यक्रम में शिक्षकों,अभिभावकों और जन प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रेरित किया। विद्यालय के प्राचार्य श्री मनोज कुमार झा ने स्वागत भाषण में बताया कि शाला प्रवेश उत्सव के माध्यम से विद्यार्थियों में विद्यालय के प्रति लगाव एवं अभिभावकों में विश्वास को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने बताया कि हमारा विद्यालय वर्तमान में पीएम श्री विद्यालय है पीएम श्री विद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता के साथ-साथ सांस्कृतिक, नैतिक एवं कौशल शिक्षा पर भी विशेष बल दिया जा रहा है। इस अवसर पर नगर के गणमान्य नागरिक,पालकगण, शिक्षकगण,छात्र-छात्राएँ तथा पत्रकार बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक राकेश चौहान द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन श्रीमती संध्या यादव ने किया।

कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने खोला मोर्चा

-संवाददाता-

सूरजपुर,13 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

मोदी की गारंटी लागू करवाने कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने आंदोलन का शंखनाद कर दिया है। विधान सभा सत्र के पूर्व 16 जुलाई को समस्त जिला मुख्यालयों में मोदी की गारंटी लागू करने के सरकार के वादे को याद दिलाने के लिए ध्यानाकर्षण रैली निकाल कर ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसी तारतम्य में कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन सूरजपुर जिला संयोजक डॉ आर एस सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक कर आंदोलन की तैयारी हेतु रणनीति तैयार की गई। उक्ताशय की जानकारी देते हुए जिला संयोजक ने बताया कि विधानसभा/लोकसभा निर्वाचन के दौरान वर्तमान सरकार ने छत्तीसगढ़ में मोदी जी की गारंटी के तहत अनेक वादे किए थे,लेकिन अभी तक कर्मचारियों के लिए एक भी वादे पूरे नहीं किये गये हैं, जिससे कर्मचारियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने कई बार पत्राचार कर सरकार को ध्यानाकर्षण कराया है किंतु सरकार की ओर से कोई भी सकारात्मक पहल नहीं की गई है। अभी विधानसभा सत्र प्रारंभ होने वाला है इसलिए पुनः ध्यानाकर्षण करने के लिए 16 जुलाई को भोजनावकाश में ध्यानाकर्षण रैली के माध्यम से ज्ञापन सौपा जाएगा, यदि सरकार जल्द मांगों पर पहल नहीं करती है तो चरणबद्ध तरीके से आगामी 22 अगस्त को प्रदेश के समस्त कर्मचारियों द्वारा एक दिवसीय सामुहिक अवकाश व सितंबर से अनिश्चितकालीन आंदोलन करने हेतु बाध्य होंगे। जिला संयोजक फेडरेशन महिला प्रकोष्ठ प्रतिमा सिंह ने जिले के समस्त कर्मचारी ,अधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि सभी अपने हक, अधिकार की इस लड़ाई में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें। जिला फेडरेशन महासचिव मो.इकबाल अंसारी ने बताया कि 16 जुलाई को दोपहर 1ः00 बजे जिले के सभी कर्मचारी अधिकारी रंगमंच मैदान में एकत्रित होंगे व रैली निकाल कलेक्टर महोदय को माननीय मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। बैठक में डॉ आर एस सिंह,डॉ राजेश पैकरा,प्रतिमा सिंह, मो.इकबाल अंसारी,गोपाल विश्वकर्मा,विजय साहू,निर्मल भट्टाचार्य, मनीष दीपक साहू,राजकुमार सिंह, प्रदीप कुमार सिंह,सतीश प्रताप सिंहदेव,राधेश्याम साहू,महेश पैकरा, आदित्य शर्मा,विन्देश गुप्ता, निधि श्रीवास्तव,ज्योति साधना,माया शर्मा,अनुरंजन देव,रमेश राजवाड़े, संत राम, रामनंदे साहू,रवि प्रसाद पैकरा,शिव कुमार पैकरा, यशवंत प्रताप सिंह,अवधेश कुमार सिंह सहित अन्य कर्मचारी अधिकारी उपस्थित थे।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 202309020700069/अ-27/2022-23

फर्द बटवारा का अंतिम प्रकाशन

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के रा0प्र0क्र0 202309020700069/-27/2022-23 पक्षकार मुकचुन्द उर्फ गुरूचंद्र वगै. प्रति अर्जुन राम वगै. में ग्राम चिताबहार स्थित खसरा नंबर 6, 9, 10, 14, 33, 34, 49, 50, 51, 98, 116, 156, 157, 163, 164, 165, 382, 401, 545 कुल, खसरा नंबर 19 कुल रकबा 4.167 हे. भूमि का फर्द बंटवारा सूची हल्का पटवारी से प्राप्त हुआ है, जिसका अंतिम प्रकाशन कराया जा रहा है। अतः उक्त फर्द बंटवारा में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 21/07/2025 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 16/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा।

सील

तहसीलदार
अम्बिकापुर,सरगुजा
(छ0ग0)

संक्षिप्त खेल की खबरें

जैक क्रॉली की हरकत पर भड़कने के बजाय सपोर्ट में उतरा पूर्व कप्तान

बेकनेहम, 13 जुलाई 2025। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे मौजूदा तीसरे टेस्ट में ड्रामा और टकराव का माहौल तीसरे दिन चरम पर पहुंच गया। दिन के खेल के अंतिम क्षणों में इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली ने समय बर्बाद करने की रणनीति अपनाई,जिससे भारतीय खेमे में नाराजगी फैल गई। इसी को लेकर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने अब तक की सबसे बेहतरीन टाइम वेस्टिंग रणनीति करार दिया। साथ ही उन्होंने टीम इंडिया की प्रतिक्रिया पर भी बड़ा बयान दिया। तीसरे दिन भारत ने अपनी पहली पारी में 387 रन बनाए। इसके बाद इंग्लैंड को अंतिम सत्र में बल्लेबाजी करनी थी। नियमों के मुताबिक भारत के पास दो ओवर फेंकने का समय बचा था। मगर जैक क्रॉली ने चोट का बहाना बनाकर, बार-बार क्रीज से हटकर और गेंदबाजी के लिए तैयार खड़े जसप्रीत बुमराह को तीन बार इंतजार कराकर खेल की रफ्तार धीमी कर दी। इसके कारण भारत सिर्फ एक ही ओवर फेंक पाया और इंग्लैंड ने बिना विकेट खोए दो रन बना लिए।

2 साल से टीम इंडिया से बाहर,फिर भी वापसी का इंतजार

नई दिल्ली, 13 जुलाई 2025। भारतीय टेस्ट टीम के पूर्व कप्तान और सीनियर बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे भले ही फिलहाल राष्ट्रीय चयनकर्ताओं की योजना का हिस्सा न हों, लेकिन क्रिकेट के प्रति उनका जज्बा और मैदान पर वापसी का सपना अभी भी जिंदा है। 37 साल के रहाणे एक बार फिर आगामी घरेलू सत्र में मुंबई की ओर से रणजी ट्रॉफी खेलते हुए शानदार प्रदर्शन कर भारतीय टीम में वापसी की उम्मीद लगाए बैठे हैं। अजिंक्य रहाणे ने भारतीय टेस्ट टीम के लिए 85 मैचों में 12 शतक और 26 अर्धशतकों की मदद से कुल 5077 रन बनाए हैं।

कोच ने टी 20 आई सीरीज जीत का श्रेय डब्ल्यूपीएल और घरेलू क्रिकेट को दिया

श्री चरणी को बताया नई खोज

नई दिल्ली, 13 जुलाई 2025। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कोच अमोल मजूमदार ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ ऐतिहासिक टी 20 आई सीरीज जीत का श्रेय महिला प्रीमियर लीग को दिया है। मजूमदार का मानना है कि डब्ल्यूपीएल ने भारतीय महिला खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने और खुद को साबित करने का बड़ा मंच दिया है। भारत ने पांच मैचों की रोमांचक टी 20 आई सीरीज 3-2 से अपने नाम की। हालांकि आखिरी मुकाबले में टीम को अंतिम गेंद पर पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन सीरीज जीत का जश्न फीका नहीं पड़ा। मैच के कोच मजूमदार ने कहा कि वूमेन्स प्रीमियर लीग यानी डब्ल्यूपीएल भारतीय खिलाड़ियों की तरक्की में बेहद अहम रही है। इसमें कोई शक नहीं है। इसके अलावा भी घरेलू टूर्नामेंट हैं,जिन्हें हम लगातार मॉनिटर कर रहे हैं।

उन्होंने माना कि बीसीसीआई की डब्ल्यूपीएल पहल ने महिला क्रिकेट के स्तर को एक नई ऊंचाई दी है, मगर घरेलू ढांचे का भी इसमें बराबर योगदान है। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूपीएल हमारे लिए शानदार अनुभव रहा है, लेकिन साथ ही अन्य घरेलू टूर्नामेंट भी बेहद जरूरी हैं जो खिलाड़ियों को बेहतर बनाने का मौका देते हैं। इस सीरीज में 20 साल की बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 10 विकेट लेकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई और सीरीज की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गईं। भले ही अंतिम मैच में वह कोई विकेट नहीं ले सकीं, लेकिन उनके प्रदर्शन ने भारतीय क्रिकेट को एक नई प्रतिभा दी। मजूमदार ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि डब्ल्यूपीएल ने हमें श्री चरणी जैसी खिलाड़ी खोजने का मौका दिया। हम एक बेहतरीन बाएं हाथ की स्पिनर की तलाश में थे और वह इस भूमिका के लिए बिल्कुल फिट साबित हुईं। उनकी तरक्की इस सीरीज में शानदार रही है।

कैंप में तैयारी का असर सीरीज में दिखा

मजूमदार ने इस सीरीज में टीम की गेंदबाजी और फील्डिंग को भारत की सबसे बड़ी ताकत बताया। उन्होंने कहा कि भारत से रवाना होने से पहले हमारे पास एक मजबूत रणनीति थी। हमने कैंप में अपनी गेंदबाजी और फील्डिंग पर काफी काम किया, और उसका असर इस सीरीज में साफ दिखा।

हरमनप्रीत कौर ने हासिल किया एक और मुकाम

नई दिल्ली, 13 जुलाई 2025। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस समय इंग्लैंड के दौरे पर है, जहां वह 5 मैचों की टी20 सीरीज और तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलने पहुंची है। टीम इंडिया का टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला जिसे वह 3-2 से अपने नाम करने में कामयाब रही। इस सीरीज का पांचवां मुकाबला 12 जुलाई को एजबेस्टन के मैदान पर खेला गया, जिसे मेजबान टीम 5 विकेट से जीतने में कामयाब रही। इस मुकाबले में भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर अपने इंटरनेशनल करियर में एक बड़ा मुकाम हासिल करने में कामयाब रहीं, जिसमें उन्होंने मिताली राज के रिकॉर्ड को तोड़ने का काम किया।

हरमनप्रीत कौर बनी सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली भारतीय महिला खिलाड़ी

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के पांचवें मुकाबले में जब भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर मैदान पर उतरी तो वह टीम इंडिया की तरफ से महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन गई। हरमनप्रीत कौर का ये 334वां इंटरनेशनल मुकाबला था तो वहीं उन्होंने मिताली राज के 333 इंटरनेशनल मैच खेलने के रिकॉर्ड को तोड़ने का भी काम किया। हरमनप्रीत कौर ने अब तक 6 टेस्ट मैच, 146 वनडे जबकि 182 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं।

भारतीय महिला खिलाड़ी सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली खिलाड़ी

हरमनप्रीत कौर - 334 मैच*
मिताली राज - 333 मैच
झूलन गोस्वामी - 284 मैच

टीम इंडिया की नजरें अब वनडे सीरीज जीत पर

टी20 सीरीज को 3-2 से अपने नाम करने के बाद अब भारतीय महिला क्रिकेट टीम को 16 जुलाई से तीन मैचों की वनडे सीरीज इंग्लैंड के खिलाफ खेलनी है। इस सीरीज में टीम इंडिया की नजरें जहां आगामी महिला वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों पर रहने वाली है, तो वहीं उनकी कोशिश सीरीज को जीतने पर भी रहने वाली है। इस सीरीज का पहला मैच साउथैम्प्टन के मैदान पर खेला जाएगा। वहीं दूसरा मुकाबला 19 जुलाई को लॉर्ड्स के मैदान पर जबकि तीसरा मैच चेस्टर ली स्ट्रीट में 22 जुलाई को खेला जाएगा।

नीरज चोपड़ा और अरशद नदीम पेरिस ओलंपिक के बाद एक बार फिर होंगे आमने-सामने

सिलेसिया, 13 जुलाई 2025। भारतीय एथलेटिक्स फैंस को 16 अगस्त को पोलैंड के सिलेसिया में होने वाली डायमंड लीग मीट में जबरदस्त मुकाबला देखने को मिलेगा, जब दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के स्टार भाला फेंक एथलीट अरशद नदीम आमने-सामने होंगे। यह मुकाबला पेरिस ओलंपिक 2024 के बाद दोनों दिग्गजों की पहली भिड़ंत होगी।

हिसाब बराबर करने का मौका

वर्ल्ड एथलेटिक्स और सिलेसिया डायमंड लीग के आयोजकों ने इस मुकाबले की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। आयोजकों के मुताबिक, यह मुकाबला नीरज के लिए पिछली हार का बदला लेने का सुनहरा अवसर हो सकता है। नीरज चोपड़ा इस साल शानदार फॉर्म में हैं। मई में दोहा डायमंड लीग में उन्होंने 90.23 मीटर का थ्रो कर सिल्वर मेडल जीता और इसी के साथ 90 मीटर का आंकड़ा पार करने वाले दुनिया के 26वें भाला फेंक एथलीट भी बन गए। डायमंड लीग के आयोजकों का कहना है कि नीरज इस प्रदर्शन में और सुधार करना चाहेंगे।

इस सीजन का अब तक का सफर

पेरिस ओलंपिक के बाद नीरज कई बड़े टूर्नामेंटों में हिस्सा ले चुके हैं। उन्होंने इस साल चार डायमंड लीग मीट,पोलैंड के चोरजो और चेक गणराज्य के ओस्ट्रावा में शीर्ष स्तर की प्रतियोगिताओं के अलावा बेंगलुरु में आयोजित एनसी क्लासिक का भी हिस्सा लिया है। दोहा में सीजन की पहली डायमंड लीग में नीरज ने 90 मीटर पार कर शानदार शुरुआत की, लेकिन मामूली अंतर से जर्मनी के जूलियन वेबर से पीछे रहकर दूसरे स्थान पर रहे। इसके बाद चोरजो में जानूस कुसोसिंस्की मेमोरियल स्पर्धा में उन्होंने 84.14 मीटर का थ्रो कर दूसरा स्थान पाया। वहीं 20 जून को पेरिस डायमंड लीग में उन्होंने 88.16 मीटर के थ्रो के साथ इस सीजन का पहला डायमंड लीग खिताब जीता।

सिलेसिया में मुकाबला क्यों है खास

पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन और ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट के बीच यह टक्कर सिलेसिया डायमंड लीग का सबसे बड़ा आकर्षण मानी जा रही है। फैंस को उम्मीद है कि इस मुकाबले में रिकॉर्ड तोड़ थ्रो देखने को मिल सकते हैं।

4 खिलाड़ियों की अचानक कीवी टीम में हो गई एंट्री

1 साल बाद टी 20 आई में खेलेगा धाकड़ बल्लेबाज कॉनवे

हरारे, 13 जुलाई 2025। जिम्बाब्वे की राजधानी हरारे में 14 जुलाई से टी 20 आई ट्राई सीरीज का आगाज होना है। इससे एक दिन पहले न्यूजीलैंड की टीम में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। न्यूजीलैंड ने डेवोन कॉनवे, मिचेल हे, जिमी नीशम और टिम रॉबिन्सन को जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका के खिलाफ आगामी ट्राई सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम में शामिल किया गया है। कॉनवे एक साल बाद ञ्20द्ध खेलते नजर आएंगे।
विकेटकीपर-बल्लेबाज कॉनवे पूरी टी 20 आई सीरीज के लिए चोटिल फिन एलन की जगह लेंगे। एलन इस सप्ताह की शुरुआत में पैर की चोट के कारण बाहर हो गए थे। हे, नीशम और रॉबिन्सन को माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, ग्लेन फिलिप्स और रचिन रवींद्र के अतिरिक्त कवर के रूप में टीम में शामिल किया गया है, जो 14 जुलाई को मेजर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में शिरकत करेंगे।

फिन एलन की जगह डेवोन कॉनवे की टीम में एंट्री

न्यूजीलैंड के हेड कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि उन्हें एलन के लिए दुख है। वाल्टर ने कहा कि हम फिन के लिए बहुत दुखी हैं। उनके साथ काम करने और एमएलसी से उनके शानदार प्रदर्शन को जारी रखने के लिए उत्सुक था, लेकिन दुर्भाग्य से चोटें लग गई। हम लकी हैं कि फिन की जगह डेवोन जैसे खिलाड़ी को टीम में शामिल कर पाए।
वाल्टर ने कहा कि वह टीम का विस्तार करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें पता था कि 14 जुलाई को होने वाले एमएलसी फाइनल में कुछ खिलाड़ियों के शामिल होने की संभावना है, इसलिए हम संभावित रिप्लेसमेंट के रूप में मिचेल, जिमी और टिम को टीम में शामिल कर रहे हैं। न्यूजीलैंड की टीम 16 जुलाई को हरारे में ट्राई-सीरीज के अपने पहले मैच में साउथ अफ्रीका का सामना करेगी।
न्यूजीलैंड की टीमः- मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, जैकब डफी, जैक फाउलकेस, मैट हेनरी, बेवॉन जैकब्स, एडम मिल्ने, डेरिल मिशेल, विल ओरूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम सेफर्ट, ईश सोढ़ी, डेवोन कॉनवे, मिचेल हे, जिमी नीशम और टिम रॉबिन्सन।

टी 20 आई ट्राई सीरीज का फुल शेड्यूल

14 जुलाई - जिम्बाब्वे बनाम साउथ अफ्रीका
16 जुलाई - साउथ अफ्रीका बनाम न्यूजीलैंड
18 जुलाई - जिम्बाब्वे बनाम न्यूजीलैंड
20 जुलाई - जिम्बाब्वे बनाम साउथ अफ्रीका
22 जुलाई - न्यूजीलैंड बनाम साउथ अफ्रीका
24 जुलाई - जिम्बाब्वे बनाम न्यूजीलैंड
26 जुलाई - फाइनल

एक उभरती हुई अभिनेत्री हैं रोशनी वालिया,जो अजय देवगन की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में आएंगी नजर

अभिनेता अजय देवगन जल्द ही फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में नजर आएंगे, जिसके निर्देशन की कमान विजय कुमार अरोड़ा ने संभाली है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है,जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। सन ऑफ सरदार 2 में मृणाल ठाकुर, नीरू बाजवा, संजय दत्त और रवि किशन जैसे सितारे भी नजर आएंगे। अभिनेत्री रोशनी वालिया भी इस फिल्म का हिस्सा हैं, जिनकी इस वक्त खूब चर्चा हो रही है। आखिर रोशनी हैं कौन।रोशनी वालिया बॉलीवुड की एक उभरती हुई अभिनेत्री हैं। उनका जन्म 20 सितंबर, 2001 को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हुआ था। 24 वर्षीय रोशनी वर्तमान में मुंबई में रहती हैं। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई प्रयागराज से ही पूरी की है। हालांकि,उन्हें बचपन से ही अभिनय में रुचि थी, जिसके चलते उन्होंने मुंबई का रुख किया और विज्ञापनों में काम किया। रोशनी ने टीवी शो मैं लक्ष्मी तेरे आंगन की के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था।रोशनी ने बालिका वधू-कच्ची उमर के पक्के-रिश्ते,देवों के देव...महादेव,ये वादा रहा और भारत का वीर पुत्र-महाराणा प्रताप जैसे धारावाहिकों में भी काम किया है। वह वेब सीरीज नाम नमक निशान में नजर आ चुकी हैं। रोशनी ने कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा की फिल्म फिरंगी में भी अभिनय किया है। अब वह सन ऑफ सरदार 2 के जरिए बड़े पर्दे पर धमाल मचाती नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर वह काफी उत्साहित हैं।

बॉर्डर 2 से सनी देओल की पहली झलक आई सामने,लिखा-मिशन पूरा हुआ

निर्देशक जे पी दत्ता की ब्लॉकबस्टर फिल्म बॉर्डर का सीक्वल बॉर्डर 2 जल्द ही आने वाला है। आज फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे सनी देओल ने बॉर्डर 2 से अपना फौजी लुक सोशल मीडिया पर शेयर किया और साथ ही फिल्म को लेकर एक अहम जानकारी भी शेयर की है। इस खुशखबरी को सुनकर सनी के फैंस जरूर खुश हो जाएंगे। सनी देओल ने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म बॉर्डर 2 को लेकर एक खास पोस्ट शेयर कर अपने फैंस को खुश कर दिया है। सनी ने इंस्टाग्राम पर फिल्म से अपना फौजी लुक शेयर किया और साथ ही कैप्शन में लिखा, मिशन पूरा हुआ। फौजी, विदा लेता हूं! ़बॉर्डर2 के लिए मेरी शूटिंग पूरी हुई। जय हिंद! एक्ट्रेस सिमरत कौर ने लिखा, जय हिंद, एक फैन ने लिखा, बहुत खूब...एक और फैन ने लिखा, जय श्री राम, एक और फैन ने लिखा, सनी देओल सर हमेशा दिल को छू लेने वाले दिग्गज अभिनेता हैं, एक और फैन ने लिखा, शानदार...एक और फैन ने लिखा,सर आप एक सच्चे हीरो लगते हैं,एक और फैन ने लिखा, इंतजार नहीं कर सकता सर-जय हिंद,एक और फैन ने लिखा,अब रिलीज का इंतजार है। बॉर्डर 2 का निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है। बॉर्डर 2 फिल्म में सनी देओल,दिलजीत दोसांझ,अहान शेट्टी, और वरुण धवन जैसे कलाकार नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म बॉर्डर 2, 23 जनवरी 2026 को रिलीज हो सकती है। फिल्म में वरुण धवन परमवीर चक्र विजेता मेजर होशियार सिंह दहिया की भूमिका निभाएंगे।

सोनाक्षी सिन्हा का स्विट्जरलैंड वेकेशन,पति जहीर इकबाल संग हुईं रोमांटिक,खूबसूरत वादियों में उमड़ रहा प्यार

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा इस वक्त अपने पति जहीर इकबाल के साथ स्विट्जरलैंड में हैं। उन्होंने अपने वेकेशन से रोमांटिक फोटो शेयर की है,जो वायरल हो रही है। इस तस्वीर में वो अपने पति को लगभग किस करते नजर आ रही हैं। सोनाक्षी सिन्हा ने इंस्टाग्राम पर पति जहीर इकबाल के साथ स्विट्जरलैंड वेकेशन की फोटो शेयर की है। दोनों ने एक-दूसरे के का हाथ थामा है। सोनाक्षी अपने पति को चूमने ही जा रही हैं। इसके अलावा उन्होंने एक प्यारा सा वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कैप्शन में लिखा है-रॉन्ग नंबर

27 अफसर-कर्मियों पर लटकी बर्खास्तगी की तलवार

फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट के सहारे कर रहे हैं नौकरी

» एक दर्जन शिक्षकों के अलावा कुल 6 विभागों में हैं कार्यरत...

» सभी ने बहरेपन की समस्या बताकर बनवाया फेक सर्टिफिकेट...

मुंगेली,13 जुलाई 2025(ए)। छत्तीसगढ़ का मुंगेली एक ऐसा जिला है, जहां से सैकड़ों लोग फर्जी दिव्यांगता सर्टिफिकेट के सहारे सरकारी नौकरी कर रहे हैं,इनमें सर्वाधिक बहरे हैं और उनमें से भी राजपूत सरनेम के लोग सबसे ज्यादा हैं। दिव्यांग सेवा संघ के लंबे संघर्ष के बाद ऐसे संदेहियों का मेडिकल कराया जा रहा है। शुरुआती तौर पर 27 कर्मचारी-अधिकारी संदेही दिव्यांगों की सूची जारी करते हुए कलेक्टर ने विभागों को जानकारी अपडेट करने को लिखा है।

दरअसल मुंगेली जिले में फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट के सहारे सरकारी नौकरी दिलाने वाला गिरोह लंबे समय से सक्रिय है। इसी गिरोह का कमाल है कि फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट के सहारे बड़ी संख्या में लोगों को अलग-अलग विभागों में सरकारी नौकरी दिला दी है। ऐसे कई लोगों को अपना मेडिकल फिर से राज्य बोर्ड में कराने का निर्देश दिया गया है, लेकिन कई लोगों ने अब तक अपना मेडिकल नहीं कराया है। कलेक्टर मुंगेली ने विभाग प्रमुखों को पत्र लिखकर कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही को लेकर अब तक की गई प्रक्रिया से अवगत कराने को कहा है।

कलेक्टर ने क्या दिया है निर्देश

कलेक्टर मुंगेली ने अपने पत्र में लिखा है कि आपके कार्यालय से दिव्यांगता प्रमाण पत्र के आधार पर शासकीय नौकरी कर रहे अधिकारियों/कर्मचारियों की संलग्न सूची अनुसार नाम प्राप्त हुआ है, जिस पर कार्यवाही करते हुए संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक, सिम्स चिकित्सालय बिलासपुर, छत्तीसगढ़ एवं संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक, डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर (छ0ग0) को नियमानुसार जांच हेतु पत्र भेजा गया था।कलेक्टर ने लिखा है कि यह ध्यान में आया है कि कुछ कर्मचारियों के द्वारा उक्त पत्र के विरूद्ध उच्च न्यायालय बिलासपुर में याचिका दायर किया गया है एवं कुछ कर्मचारियों का मेडिकल जांच हुआ है तथा कुछ कर्मचारी मेडिकल जांच में उपस्थित नहीं हुएं। अतः आप संलग्न सूची अनुसार अपने विभाग से संबंधित अधिकारी/कर्मचारी का दिव्यांगता की मेडिकल जांच से संबंधित अद्यतन जानकारी से तत्काल अवगत कराएं।

कलेक्टर ने आधा दर्जन विभाग प्रमुखों को लिखे पत्र में इन कर्मचारियों की सूची के साथ विभाग की सूची भी जारी कर दी है, जहां ये फर्जी दिव्यांगत प्रमाण पत्र के सहारे नौकरी कर रहे हैं।

बहरे कैसे हो गए सभी कर्मचारी

संदेही दिव्यांगों में गौर करने वाली बात यह है कि ऐसे सभी 27 शासकीय सेवक बहरे हैं। यानी सभी ने श्रवण बाधित मेडिकल सर्टिफिकेट हासिल किया है। इससे साफ हो रहा है कि जिले में ऐसा गिरोह सक्रिय है जो सिम्स से फर्जी दिव्यांगता,वह भी श्रवण बाधित सर्टिफिकट बनवा रहा है।

हाईकोर्ट पहुंच गए संदेही दिव्यांग

दिव्यांगता सर्टिफिकेट को सिम्स व डा भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय द्वारा मेडिकल सर्टिफिकेट को फर्जी करार देने के बाद कुछ कर्मचारियों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर दी है। कलेक्टर ने अपने पत्र में इस बात का भी हवाला दिया है। कलेक्टर ने अपने पत्र में जानकारी दी है कि कुछ कर्मचारियों का मेडिकल जांच हुआ है तथा कुछ कर्मचारी मेडिकल जांच में उपस्थित नही हुए।

छोटे व्यापारियों को मिलेगा प्रोत्साहन

» दस साल से अधिक लंबित 25 हजार रुपये तक की वैट देनदारियां खत्म होंगी

रायपुर,13 जुलाई 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ में छोटे व्यापारियों को अपना व्यवसाय आसानी से करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य सरकार छोटे व्यापारियों के 10 साल से अधिक लंबित पुराने मामलों में 25 हजार रुपये तक की वैट देनदारियों को खत्म करने जा रही है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में इज़ ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत जीएसटी प्रावधानों में भी कई संशोधन किए जाएंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ माल एवं सेवा कर संशोधन विधेयक और छत्तीसगढ़ बकाया कर, ब्याज एवं शास्ति के निपटान संशोधन विधेयक 2025 के प्रारूप का अनुमोदन कर दिया गया है। इन दोनों विधेयकों को विधानसभा के मानसून सत्र में पटल पर रखा जाएगा। 10 साल से अधिक पुराने 25 हजार रुपये तक की वैट देनदारियों को खत्म करने से राज्य के लगभग 40 हजार से अधिक व्यापारियों को फायदा मिलेगा।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

जुर्माने की रकम विशेष बच्चों पर खर्च करने का दिया निर्देश

बिलासपुर,13 जुलाई 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की विशेष पहल के बाद अलग-अलग मामलों में जो जुर्माना लगाया गया है,उस रकम का इस्तेमाल प्रदेश के बाल संरक्षण गृहों और दिव्यांग बच्चों के विकास के लिए होगा। जस्टिस सिन्हा ने आदेश दिया है कि 11 सितंबर 2024 से 11 जुलाई 2025 तक अलग-अलग मामलों में जो जुर्माना वसूला गया है, उसकी कुल राशि चार लाख दो हजार रुपये सीधे बच्चों के विकास में लगेगी।

ट्रक से 1 क्विंटल से ज्यादा गांजा जब्त

पुलिस से बचने बनाया गया था सीक्रेट चेंबर

कवर्धा,13 जुलाई 2025 (ए)। कबीरधाम पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए एक ट्रक से 120 किलो गांजा जब्त किया है। खास बात यह रही कि तस्करी के लिए ट्रक में बेहद चालाकी से 'पुष्पा' फिल्म की तर्ज पर एक गुप्त चैंबर तैयार किया गया था,जिसमें गांजे के 115 पैकेट छिपाकर उड़ीसा से राजस्थान ले जाया जा रहा था।

सूर्यकांत तिवारी का भाई नवनीत तिवारी गिरफ्तार

रायपुर,13 जुलाई 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ में बहुचर्चित अवैध कोल लेवी वसूली मामले में एक और बड़ी गिरफ्तारी हुई है। इस हाईप्रोफाइल मामले में लंबे समय से फरार चल रहे नवनीत तिवारी को आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा ने गिरफ्तार कर लिया है। नवनीत, इस मामले के मुख्य आरोपी और वर्तमान में जेल में बंद सूर्यकांत तिवारी का सगा भाई है।

पौधारोपण कार्यक्रम में बढ़ा तनाव,बात मारपीट तक पहुंची

रायपुर,13 जुलाई 2025 (ए)। रायपुर के डीडीनगर थाना क्षेत्र में एक पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान बजरंग दल कार्यकर्ताओं और कुछ नाबालिग लड़कों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट में बदल गया। घटना रायपुरा स्थित डिपरापारा इलाके की है, जहां बजरंग दल द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

मुन्नी बहनें हाईटेक तरीके से कर रहीं थी नकल

वॉकी-टॉकी और कैमरे का इस्तेमाल,एनएसयूआई ने किया भंडाफोड...

बिलासपुर,13 जुलाई 2025 (ए)। बिलासपुर में सब इंजीनियर भर्ती परीक्षा के दौरान एक हाईटेक नकल का पर्दाफाश हुआ है। यहां मुन्ना भाई नहीं,बल्कि मुन्नी बहनों को नकल करते रंगे हाथों पकड़ा गया। पकड़ी गई एक छात्रा परीक्षा केंद्र के अंदर बैठकर इम्तिहान दे रही थी, जबकि उसकी दूसरी सहेली बाहर से वॉकी-टॉकी के जरिए उसे जवाब बता रही थी। इस पूरे गोरखधंधे को दो स्थानीय युवाओं ने पकड़ा है।. परीक्षा समाप्त होने के बाद छात्रा के पास से नकल के उपकरण बरामद किए गए हैं।

लोक निर्माण विभाग में उप अभियंता के 113 पदों पर भर्ती के लिए व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा परीक्षा का आयोजन किया गया था. यह परीक्षा आज सुबह 10 बजे से 12:15 बजे तक थी। बिलासपुर शहर के सरकंडा स्थित शासकीय रामदुलारे बालक उच्चतर माध्यमिक शाला मुक्तिधाम को भी परीक्षा केंद्र बनाया गया था। यहां एक छात्रा परीक्षा देने आई थी,जबकि उसकी सहेली टेम्पो में बैठकर वॉकी-टॉकी से उसे सवालों के जवाब बता रही थी।

ऐसे चल रहा था हाईटेक नकल का खेल..

परीक्षा दे रही छात्रा ने अपने अंतर्वस्त्रों में एक कैमरा छुपा रखा था। इस कैमरे का फ्लैश बाहर बैठी सहेली के मोबाइल पर डिस्प्ले हो रहा था। बाहर बैठी सहेली,अंदर परीक्षा दे रही छात्रा के पास रखे मोबाइल से प्रश्नों को देखने के बाद गूगल पर उत्तर सर्च करती और फिर वॉकी-टॉकी के माध्यम से अंदर बैठी छात्रा को बताती थी। इसी दौरान कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई से जुड़े दो युवक विकास सिंह और मयंक सिंह गौतम ने बाहर बैठी छात्रा की सहेली को नकल करवाते हुए पकड़ लिया। उनसे पूछताछ की गई और अंदर कैमरा लेकर परीक्षा दे रही छात्रा का नाम पूछा गया। शुरुआत में वह मुकरती रही और फिर छात्र नेताओं से उलझने लगी। जब दोनों छात्र नेताओं ने पुलिस बुलाने और परीक्षा हॉल में अंदर जाकर सभी छात्राओं की चेकिंग करवाने की धमकी दी, तब भी वॉकी-टॉकी लेकर बैठी युवती ने अपनी सहेली का नाम नहीं बताया।

पकड़ी गई छात्रा ने भागने की कोशिश..

पूछताछ करते-करते 12:15 बज गए और परीक्षा खत्म हो गई। तभी अंदर कैमरा लेकर परीक्षा दे रही छात्रा बाहर निकली। अपनी सहेली को छात्र नेताओं से घिरा देख वह हड़बड़ा गई और डरकर भागने लगी। उसने चिल्लाकर अपनी सहेली को भी भागने के लिए कहा। छात्र नेताओं ने वहां मौजूद अन्य युवतियों और छात्राओं की मदद से परीक्षा दे रही छात्रा को पकड़ा। उसे वापस परीक्षा केंद्र में लाया गया और केंद्राध्यक्ष तथा परीक्षा ड्यूटी पर मौजूद अन्य परीक्षकों को सूचना देकर छात्रा की तलाशी लेने को कहा गया। महिला परीक्षकों द्वारा ली गई तलाशी में छात्रा के अंतर्वस्त्रों में टेप से चिपका कैमरा और माइक मिला। बताया जा रहा है कि दोनों छात्राएं अंबिकापुर से परीक्षा देने आई थीं. नकल करते पकड़ी गई छात्रा की उत्तर पुस्तिका को अलग से चिह्नित करके रखा गया है।

एनएसयूआई ने ऐसे किया भंडाफोड़...

इस संबंध में एनएसयूआई के छात्र नेता विकास सिंह और मयंक सिंह गौतम ने बताया, ÷हमें सूचना मिली थी कि वॉकी-टॉकी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से सब इंजीनियर भर्ती परीक्षा में नकल करवाई जा रही है। हमने अपने संगठन की दो छात्राओं को परीक्षा केंद्र के बाहर तैनात कर पहले वस्तुस्थिति की जानकारी ली. जब हमारे संगठन की छात्राओं ने मामले की पुष्टि की, तब हम मौके पर पहुंचे और इस हाईटेक नकल के पूरे मामले का भंडाफोड़ कर दिया।

कोर्ट अंदर जज पर किया टिप्पणी, वकील को 4 दिन बाद हाजिर होने के निर्देश

बिलासपुर,13 जुलाई 2025 (ए)। हाईकोर्ट में एक वकील को न्यायाधीश के फैसले पर खुली अदालत में टिप्पणी करना महंगा पड़ गया है। हाईकोर्ट ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए उस वकील को अवमानना नोटिस जारी कर दिया है और 18 जुलाई को खुद कोर्ट में हाजिर होने का आदेश दिया है। मालूम हो कि जस्टिस राकेश मोहन पांडेय की सिंगल बेंच में श्यामलाल मलिक बनाम ममता दास केस की सुनवाई हुई थी। इस केस में कोर्ट ने 3 जुलाई को याचिका खारिज कर दी थी। याचिकाकर्ता की तरफ से सीनियर एडवोकेट डॉ. निर्मल शुक्ला और सैमसन सैमुअल मसीह पैरवी कर रहे थे, वहीं प्रतिवादी की तरफ से वरुण वत्स पेश हुए थे। सुनवाई के दौरान पुरानी याचिका के फैसले का हवाला देकर कोर्ट ने यह केस खारिज किया।

रायपुर में पत्रकार से मारपीट

» कैमरा भी तोड़ा रिपोर्टिंग के दौरान असामाजिक तत्वों ने किया हमला...

» एसएसपी से एक्शन की मांग...

रायपुर,13 जुलाई 2025 (ए)। राजधानी रायपुर में कुछ असामाजिक तत्वों ने पत्रकार के साथ मारपीट की और उनकी कैमरा भी तोड़ दिया। 12 जुलाई को एक इलेक्ट्रॉनिक चैनल के पत्रकार राघवेंद्र पांडे और उनके सहयोगी कैमरामैन प्रथम गुप्ता एक मारपीट के मामले में भावना नगर में रिपोर्टिंग करने गए थे। रिपोर्टर जब एक पक्ष से बातचीत करके वापस लौट रहा था तो वहां मौजूद कुछ असामाजिक तत्वों ने उन पर हमला कर दिया। बदमाशों ने उन्हें अपना काम करने से रोका, फिर गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। मामला खम्हारडीह थाना क्षेत्र का है।

तालाब में डूबने से एक ही परिवार के 4 मासूमों की मौत

पूरे गांव से पसरा मातम

जांजगीर-चांपा,13 जुलाई 2025 (ए)। शनिवार को छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक डबरी में डूबने से चार बच्चों की मौत हो गई है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में कोहराम मच गई है। मरने वालों में 3 लड़कियां और एक लड़का शामिल है। चारों बच्चे अलग-अलग 3 परिवार के थे। घटना बलोदा थाना क्षेत्र के भैंसतरा गांव की है।

आरक्षक ने एसपी के नाम का इस्तेमाल कर करोड़ों की ठगी की

बलौदाबाजार ,13 जुलाई 2025 (ए)। जिले से एक बड़ी खबर निकलकर सामने आ रही है। बलौदा बाजार की स्पेशल टीम ने सायबर ठगी मामले में पुलिस आरक्षक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरक्षक पर ढाई करोड़ से ज्यादा की ठगी करने का आरोप है। आरोपी ने कई म्यूल अकाउंट से भी ठगी की वारदात को अंजाम दिया था। मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार किए आगे आरक्षक का नाम हेमंत नायक है। आरोपी हेमंत ने ठगी करने के लिए एसपी के नाम से फर्जी इमेल आईडी बनाकर रखी थी। आरोपी पहले बिजनेसमैन बिल्डरों के खातों की जानकारी लेकर उन्हें फ्रिज करता था और उसके बाद स्कबनकर खतों को अनफ्रिज करने के एवज में उनसे मोटी रकम वसूलता था। आरोपी ने अब तक ढाई करोड़ से ज्यादा की ठगी की है। इतना ही नहीं आरोपी ने कई म्यूल अकाउंट के जरिए भी ठगी की वारदात को अंजाम दिया है। इस बात की जानकारी जब स्पेशल टीम को हुई तो उन्होंने आरोपी हेमंत नायक की तलाश शुरू की और बलौदा बाजार की स्पेशल टीम ने सारंगढ़ से आरोपी हेमंत नायक को गिरफ्तार किया है। फ़िलहाल टीम आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा का तीखा हमला

रथयात्रा विवाद पर फूटा गुस्सा

रायपुर,13 जुलाई 2025 (ए)। राहुल गांधी के उस बयान पर सियासी तूफान उठ गया है,जिसमें उन्होंने भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा को अडानी परिवार के लिए रोके जाने की बात कही थी। इस पर भाजपा विधायक और रायपुर जगन्नाथ मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष पुरंदर मिश्रा ने खुलकर तीखा हमला बोला और यहां तक कह दिया मैं ब्राह्मण हूं, भगवान का काम करता हूं, और चाहूंगा कि मेरा श्राप राहुल गांधी को लगे। देख लेना, अगली रथयात्रा तक कैसी दुर्गति होती है।

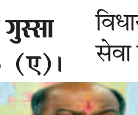

कांग्रेस पार्षद ने किया रेप, वार्ड की महिला का आरोप

जांजगीर-चांपा,13 जुलाई 2025 (ए)। जिले की अकलतरा नगर पालिका के कांग्रेस पार्षद विजय खांडेल पर रेप की एफ आईआर दर्ज हुई है। अकलतरा की महिला ने पार्षद के खिलाफ एफ आईआर दर्ज कराई है। विजय खांडेल,अकलतरा नपा में वार्ड 16 का पार्षद है, जो एफ आईआर के बाद फरार हो गया है,जिसकी अकलतरा पुलिस तलाश कर रही है। महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि,पार्षद विजय खांडेल ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया है । 3 साल से पार्षद विजय खांडेल टालते आ रहा है। विजय खांडेल, शादीशुदा है और उसके बच्चे हैं। पार्षद विजय खांडेल शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म कर रहा था।

इसके बाद महिला ने अकलतरा थाना में रिपोर्ट दर्ज करा दी। पुलिस ने आईपीसी की धारा 376 के तहत जुर्म दर्ज किया है और आरोपी कांग्रेस पार्षद विजय खांडेल की तलाश कर रही है।

स्कूल से निकाले जाने पर फांसी पर झूली छात्रा

रायपुर,13 जुलाई 2025 (ए)। छात्रा ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्रा रायपुरा आरडीए कॉलोनी में रहती थी। बताया जा रहा है कि छात्रा को स्कूल के प्रिंसिपल ने किसी बात को लेकर फटकार लगाई थी। प्रिंसिपल की डाट खाने के बाद से ही छात्रा गुमशुम रहने लगी। स्कूल की छुट्टी होने के बाद घर पहुंची और अपने कमरे में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतिका छात्रा का नाम यामिनी ध्रुव था। छात्रा पंडित गिरजाशंकर मिश्रा स्कूल में पढ़ाई कर रही थी। बताया जा रहा है कि छात्रा को किसी बात को लेकर प्रिंसिपल ने जमकर फटकार लगाई थी। साथ ही छात्रा को टीसी थमा दी गई थी। इस बात से दुखी छात्रा अपने घर पहुंची और कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवती की मौत की खबर परिजनों ने पुलिस को दी। मामले में पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, इस घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)